राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 11 सितंबर 2022 वर्ष–5,अंक–225 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केंद्रीय मंत्री शाह ने जैसलमेर पहुंचे की तनोट माता की पूजा-अर्चना

17.67 करोड़ रुपए से होने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास किया

जैसलमेर । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बीएसएफ के विशेष विमान से शनिवार को जैसलमेर के तनोट माता मंदिर पहुंचे। यहां शाह ने दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री शाह ने विजय स्तंभ पर 1971 भारत-पाक युद्ध के शहीदों को फूल भेंट कर श्रद्धांजलि भी अर्पित की। इसके साथ ही उन्होंने 17.67 करोड़ रुपए से होने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इसके बाद वे एयरफोर्स के विशेष विमान से जोधपुर के लिए रवाना हुए। अपने जैसलमेर दौरे को लेकर शाह ने ट्वीट कर तस्वीरें भी शेयर की। उन्होंने लिखा, जैसलमेर के ऐतिहासिक श्री मातेश्वरी तनोट राय मंदिर का अद्भुत इतिहास है। ऐसी मान्यता है कि तनोट माँ जवानों को दुश्मनों से लड़ने की शक्ति देती हैं और युद्ध में देश की रक्षा करती हैं। तनोट माता के दर्शन कर देश व देशवासियों के सुख-शांति व समृद्धि की प्रार्थना की। बता दें, केंद्रीय गृहमंत्री दूसरी बार तनोट मंदिर आए हैं। उनके पहुंचने पर बीएसएफ ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इससे पहले वह दिसंबर 2021 को यहां आए थे तथा रात्रि विश्राम सरहद पर ही किया था। शाह अपने दौरे के दौरान तनोट मंदिर परिसर में पर्यटन विकास केंद्र की आधारशिला रखी। इसके बाद वहीं से वह करीब सुबह 10:35 पर हेलिकॉप्टर से जैसलमेर एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे और यहीं से 11:10 बजे जोधपुर एयरपोर्ट

के लिए रवाना हो गए। इस दौरान केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, सीमा सुरक्षा बल के डीजी पंकज सिंह व अन्य नेता-अधिकारी भी उनके साथ मौजूद रहें।

बता दें, अमित शाह दो दिवसीय दौरे पर राजस्थान आए हैं।

युवाओं का भविष्य सुरक्षित नहीं तो देश का भविष्य कैसे सुरक्षित रहेगा : राहुल गांधी

-चौथे दिन कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा से बड़ी संख्या में जुड़े लोग

नई दिल्ली । कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का आज चौथा दिन है। यह यात्रा 150 दिन तक चलने वाली है और इसकी शुरूआत कन्याकुमारी से हुई थी। यात्रा का पहला विश्राम सुबह 10 बजे मार्थंडम में नेस्मनी मेमोरियल क्रिश्चियन कॉलेज में हुआ। इसके बाद शाम4 बजे से यात्रा आगे बढ़ी। इसके बाद शाम 7 बजे तिरुअनंतपुरम के चेरुवरकोणम में सैमुअल स्कूल में विश्राम करेगी। यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हमारे देश में 40 फीसदी युवा बेरोजगार हैं। राहुल गांधी ने कहा अगर युवाओं का भविष्य सुरक्षित नहीं तो देश का भविष्य कहां से सुरक्षित होगा। यह यात्रा देश के बेरोजगार युवाओं के लिए है, हम उनके रोजगार के लिए यह यात्रा निकाल रहे है। 12 राज्यों से होकर गुरजने वाली यह यात्रा तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू होकर जम्मू कश्मीर तक 3,570 किमी की होगी। चौथे दिन की यात्रा के दौरान राहुल गांधी सेंट मैरी मैट्रिकुलेशन स्कूल के छोटे बच्चों के बीच भी पहुंचे। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा की हेट फैक्ट्री एक घटिया ट्वीट वायरल करने का प्रयास कर रही है। ऑडियो में जो कुछ भी रिकॉर्ड किया गया है, उससे इसका कोई संबंध नहीं है। यह भाजपा का विशिष्ट तुच्छ तरीका है, भारत जोड़ो यात्रा की सफल शुरुआत और लोगों द्वारा मिल रहे समर्थन को देखकर ये हताश हो गए हैं। 12 राज्यों से होकर गुरजने वाली यह यात्रा तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू होकर जम्मू कश्मीर तक 3,570 किमी जाएगी। यात्रा 5 महीने चलेगी और इसमें 118 नेता शामिल होंगे। इस दौहान हर दिन करीब 25 किमी यात्रा की जाएगी।

वंदे भारत ट्रेन ने पकड़ी 52 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, बुलेट ट्रेन को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली । तीसरी और नई वंदे भारत एक्सप्रेस ने ट्रायल रन के दौरान केवल 52 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की गति तक की रफ्तार पकड़कर बुलेट ट्रेनों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी है।

उन्होंने कहा कि फोटोकैटलिटिक एयर प्यूरीफायर सिस्टम नई वंदे भारत ट्रेन को कोरोना सहित हवा से फैलने वाली तमाम बीमारियों से मुक्त रखेगा। बता दें कि भारत की यह सेमी-हाई स्पीड ट्रेन अगले कुछ हफ्तों में अहमदाबाद-मुंबई रूट पर चलने के लिए तैयार है। ट्रायल रन के परिणामों की घोषणा कर रेल मंत्री वैष्णव ने कहा, वंदे भारत ट्रेन का तीसरा परीक्षण गुरुवार को पूरा हो गया। परीक्षण में वंदे भारत ट्रेन ने 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार 52 सेकेंड में पूरी कर ली, जबकि बुलेट ट्रेन रफ्तार को हासिल करने में 54.6 सेकेंड का समय लेती है। इस नई ट्रेन की अधिकतम गति 180 किमी प्रति घंटा है। पुरानी वंदे भारत ट्रेन की अधिकतम गति 160 किमी प्रति घंटे है।'' उन्होंने कहा, आरामदायक यात्रा के लिए इस ट्रेन में कई विशेषताएं हैं। गुणवत्ता और सवारी सूचकांक में सुधार हुआ है। इन मापदंडों पर ट्रेन का स्कोर 3.2 है, जबकि विश्व स्तर पर सर्वश्रेष्ठ स्कोर 2. 9 है।

फोटोकैटलिटिक एयर प्यूरीफायर सिस्टम नई वंदे भारत ट्रेन को कोरोना सहित हवा से फैलने वाली तमाम बीमारियों से मुक्त रखेगा। रेल मंत्रालय पॉयलेट प्रोजेक्ट के तौर पर नई वंदे भारत में विषाणु रोधक यह सिस्टम लगाने जा रहा है। सफलता मिलने के बाद सभी 400 वंदे भारत ट्रेन में सहित रेलवे की प्रीमियम राजधानी, शताब्दी, दुरंतो सहित अन्य ट्रेनों में योजना को लागू किया जाएगा। ट्रेन ने अपना अंतिम ट्रॉयल पूरा कर लिया है और इसके रूट और चलाने की घोषणा जल्द की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, गुजरात विधानसभा चुनाव को देखकर नई वंदे भारत अहमदाबाद-मुंबई के बीच में चलाई जा सकती है।

शराबबंदी का नीतिश का फैसला सही, लेकिन पीएम मोदी का विकल्प नहीं बन सकते : उमा भारती

भोपाल । भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम उमा भारती ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उनके राज्य में शराबबंदी लागू करने के लिए सराहना की, लेकिन साथ ही कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकल्प नहीं हो सकते। दरअसल उमा लंबे समय से मध्यप्रदेश में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग कर रही हैं। उन्होंने कहा, नीतीश ने कम से कम अपने राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू करने का साहस दिखाया है। यह पूछने पर कि क्या नीतीश मोदी के विकल्प के तौर पर उभर सकते हैं, उमा ने कहा, वह ऐसा नहीं कर पाएंगे, इसका सवाल ही पैदा नहीं होता क्योंकि मोदी एक अद्वितीय व्यक्ति हैं, इसतरह के व्यक्ति कम ही होते हैं। भारती ने कहा, इसके अलावा, वह (मोदी) भगवान की रचना हैं और लोग उनके साथ हैं। लेकिन कुमार के प्रयासों से विपक्ष मजबूत होगा क्योंकि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की प्रदेश में शराब की बिक्री में कमी करने की इच्छा का स्वागत किया।

2024 की कसवट में जुटी भाजपा, महाराष्ट्र के नेता विनोद तावड़े को बिहार का जिम्मा

पटना । 2024 के लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखकर बीजेपी ने अपने महासचिव विनोद तावड़े को बिहार का प्रभार सौंपा है। नीतीश के एनडीए छोड़ राजद के साथ सरकार बनाने के बाद बीजेपी को राज्य की सत्ता से हाथ धोना पड़ा। इसके बाद राज्य के हालात और तावड़े पर भरोसा दिखाना ये दर्शाता है, कि केंद्रीय नेतृत्व ने परिणाम देने और जटिल राजनीतिक चुनौतियों से निपटने की उनकी क्षमताओं को पहचाना है। महाराष्ट्र के दिग्गज नेता, जिन्हें पिछले नवंबर में महासचिव के रूप में पदोन्नत किया गयाथा, इससे पहले हरियाणा के प्रभारी थे। केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें हाल ही में हुए राष्ट्रपति चुनावों में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका सौंपी थी, जहां तावड़े मुख्य समन्वयक थे और उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, एनडीए उम्मीदवार के लिए समर्थन हासिल करने के लिए व्यापक रूप से देश का दौरा किया था। तावड़े ने कहा कि मैं पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा जी का आभारी हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व और मार्गदर्शन में, हम सभी एक टीम के रूप में काम करते हैं। विनोद तावड़े महाराष्ट्र बीजेपी के वरिष्ठ नेता हैं। ओबीसी समुदाय से आने वाले विनोद तावड़े महाराष्ट्र में देवेन्द्र फडणवीस की सरकार में मंत्री रह चुके हैं। साथ ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री भी तावड़े रह चुके हैं। बता दें कि 2019 में तावड़े को मुंबई के बोरीवली में उनके निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा टिकट से वंचित कर दिया गया और पार्टी ने इसके बजाय सुनील राणे को टिकट दिया। इस फैसले से तावड़े को गहरा धक्का लगा था, जो उस समय बोरीवली का प्रतिनिधित्व करने वाले सीटिंग विधायक थे। उनके धैर्य का परिणाम तब मिला जब उन्हें 2020 में राष्ट्रीय सचिव बनाया गया और उन्हें हरियाणा का प्रभार सौंपा गया। एक साल बाद, 2021 में बीजेपी चीफ जेपी नड्डा ने तावड़े को महासचिव बना दिया।

असम राइफल्स को बडी कामयाबी, 3 पीएलए उग्रवादियों को हथियार समेत दबोचा

इम्फाल । पूर्वोत्तर राज्य असम में असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस ने एक संयुक्त कार्रवाई में उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 3 सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से हथियार भी बरामद किए गए हैं। असम राइफल्स की तरफ से ये जानकारी दी गई। असम राइफल्स ने बताया कि 9 सितंबर को मणिपुर पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 3 सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। एक खुफिया इनपुट के आधार पर पता चला कि 3 विद्रोही मणिपुर के मोरेह इलाके में स्तिथ जंगनोई गांव में छिपे हुए हैं। इसके बाद छापेमारी की गई और 3 विद्रोहियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक, पकड़े गए तीनों विद्रोही संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सक्रिय सदस्य हैं। इनके पास से 2 पॉइंट 32 की

पिस्टल और 14 राउंड कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पकड़े गए विद्रोहियों को स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया गया है, जहां उनसे आगे की पूछताछ की जा रही है। गौरतलब है कि मणिपुर में इस समय आधा दर्जन से ज्यादा उग्रवादी गुट सक्रिय हैं। इनमें से ही एक पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नाम का संगठन भी है। मणिपुर के इन उग्रवादी संगठनों की पहुंच म्यांमार तक है और उन्होंने वहां पर अपने अड्डे बना रखे हैं। कई बार भारतीय जवानों पर हमले करने के मामले में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का नाम सामने आ चुका है।

काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद विवाद पर सोमवार को बड़ा दिन, जिला जज सुनाएंगें फैसला

लखनऊ । काशी विश्वनाथ मंदिर के साथ लगी ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर विवाद को लेकर सबकी नजरें बनारस में कोर्ट से 12 सितंबर को आने वाले फैसले पर टिकी हुई है। फैसले के बाद ही ज्ञानवापी मंदिर-मस्जिद विवाद का भविष्य तय होगा। बता दें कि इलाहाबाद हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक कई दावे किए गए, जिसमें कहा गया कि 16वीं सदी में मुगल बादशाह औरंगजेब ने काशी विश्वनाथ मंदिर को गिराकर ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई थी। यूं तब काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर आधा दर्जन से ज्यादा मुकदमे अलग-अलग अदालतों में लंबित हैं। लेकिन, यह मामला बेहद खास है, क्योंकि इस मामले में तत्कालीन सिविल जज रवि कुमार दिवाकर ने इसी मामले पर कमीशन के आदेश जारी किए थे। इसके बाद ज्ञानवापी मस्जिद के पूरे परिसर की कमीशन की कार्यवाही की गई थी। कमीशन की कार्यवाही के दौरान मस्जिद के बजूखाने में शिवलिंग के होने का दावा किया गया। हिंदू पक्ष के दावे के मुताबिक 1993 से पहले तक मस्जिद के कुछ हिस्सों में हिंदू रीति रिवाज के मुताबिक पूजा होती थी और इस ज्ञानवापी मस्जिद का पूरा ढांचा मंदिर को तोड़कर बनाया गया है। हालांकि, मुस्लिम पक्ष ने शिवलिंग को फव्वारा बताया था। विवाद इतना बढ़ा कि कमीशन की कार्यवाही के खिलाफ अंजुमन इंतेजामिया कमेटी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। मुस्लिम पक्ष लगातार इस पर जोर देता रहा है कि 1947 के बाद किसी धार्मिक स्थल के चरित्र को बदला नहीं जा सकता। साथ ही साथ 1991 के विशेष उपासना स्थल कानून के तहत कमीशन की कार्यवाही भी गलत है। बता दें कि श्रृंगार गौरी नियमित दर्शन पूजन मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर निचली अदालत मुकदमे की मेटेंन बिल्टी पर सुनवाई हो रही थी। आसान भाषा में कहा जाए तब रुल 7/11 यानी की ज्ञानवापी मुकदमे की मेटेंनबिल्टी का मतलब यह हुआ कि क्या ज्ञानवापी मामले में जो मुकदमा दायर किया गया है उस आगे सुनवाई की जाए या फिर नहीं, वाराणसी कोर्ट इस मसले पर अपना बड़ा फैसला सुनाएगा। मामले पर जिला जज ऐके विश्वेश अब 12 सितंबर को फैसला

सुनाएंगे। ज्ञानवापी मामले में अदालत का फैसला मंदिर में पूजा अर्चना की मांग के मुद्दे को अदालती मामलों में एक नई दिशा देगी। देखना बेहद अहम है कि पूजा के अधिकार की लड़ाई का भविष्य क्या होता है?

संक्षिप्त समाचार

बेंगलुरु में स्काई बस चलाने की तैयारी में केंद्रीय मंत्री गडकरी, सड़क जाम और बाढ़ से मिलेगी राहत

बेंगलुरु । इन दिनों बेंगलुरु में हुई भारी बारिश के बाद बने बाढ़ के हालात ने पूरी दुनिया का ध्यान भारत की आईटी सिटी की ओर खींचा था, क्योंकि बेंगलुरु को भारत की सिलिकॉन वैली भी कहा जाता है। देश की अधिकतर बड़ी आईटी कंपनियां और स्टार्टअप्स बेंगलुरु में हैं। सदा चकाचौंध रहने वाला यह शहर बाढ़ से ऐसा त्रस्त हुआ था कि बड़े-बड़े सीईओ अपनी लग्जरी गाड़ियां छोड़कर ट्रैक्टर की सवारी करने को मजबूर हुए। सोशल मीडिया पर भी बेंगलुरु में बाढ़ के दृश्य सर्वाधिक चर्चा का विषय बने थे। ट्रैफिक जाम से परेशान रहने वाले बेंगलुरु शहर की सड़कों पर बाढ़ के पानी में तैरती गाड़ियां खूब मजाक का और राज्य सरकार की किरकिरी का कारण बनी थीं। बता दें कि बेंगलुरु के आसपास आबादी भी घनी होती जा रही है, जिससे सड़कों पर भीड़ भी बढ़ती जा रही है। इसके बाद लोगों के मन में शंकाएं आना स्वाभाविक है कि यदि फिर से भारी बारिश आ गई तब क्या होगा। लेकिन अब केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने समस्या को सुलझाने का फार्मूला बताकर कहा है कि केंद्र सरकार बेंगलुरु में सड़कों पर भीड़भाड़ कम करने के लिए स्काईबस शुरू करने और फ्लाईओवर बनाने के बारे में सोच रही है। गडकरी ने कहा, बेंगलुरु में मौजूदा सड़कों को चौड़ा करना मुश्किल है। इसलिए, हमने दो निर्णय लिए हैं। हम जमीन का अधिग्रहण नहीं करने वाले हैं, लेकिन हम थ्री-डेक या ग्रेड सेपरेटर का निर्माण करने वाले हैं, जैसा कि चेन्नई में किया गया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हम बिजली चालित सार्वजनिक परिवहन पर काम कर रहे हैं। तकनीक बहुत बदल गई है। बेंगलुरु में जमीन अधिग्रहण करना मुश्किल है। इसकारण, मैंने फिलीपीन और अन्य देशों की तरह स्काईबस के उपयोग का सुझाव दिया है। गडकरी ने कहा कि उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को बेंगलुरु की स्थिति का अध्ययन करने और शहर के लिए ऐसा ही एक समाधान खोजने के लिए दुनियाभर के विशेषज्ञों से परामर्श करने का निर्देश दिया है।

कश्मीरी पंडितों ने बड़े उत्साह और धूमधाम ने मनाया वितस्ता नदी का जन्मदिन

जम्मू । कश्मीरी पंडितों ने बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ वितस्ता नदी का जन्मदिन मनाया। बता दें कि झेलम नदी का ही वास्तविक नाम वितस्ता है। वहीं कश्मीरी पंडित इसे वेयथ के नाम से भी पुकारते हैं और उनके लिए यह सिर्फ नदी नहीं बल्कि आत्मा के बराबर महत्व रखती है। इस नदी के किनारे कई प्रसिद्ध मंदिर स्थित हैं। बता दें कि कश्मीरी संस्कृति और सभ्यता की जननी वितस्ता नदी के घाट पर कभी वेयथ त्रुवाह के मौके पर बड़ा मेला लगता था। इस साल भी अच्छी खासी संख्या में कश्मीरी पंडित वेयथ त्रुवाह के मौके पर घाटी में एकत्रित होकर पूजा अर्चना की। कश्मीरी पंडितों ने उम्मीद जताई कि जिस तरह से हालात बदल रहे हैं, उस देखते हुए जल्द ही फिर से वेयथ त्रुवाह पर्व की पुरानी रौनक लौटेगी और लोग बड़ी संख्या में यहां आएंगे। बता दें कि यह समारोह पुराने श्रीनगर के हाबा कदल में पुरशियार घाट पर आयोजित किया गया था और कश्मीर के संभागीय आयुक्त भी इस दौरान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पुराने श्रीनगर के प्रसिद्ध मंदिरों से सटे पांच घाट शाम को जगमगा उठे। समारोह की शुरुआत झेलम नदी के नीचे नावों पर कलाकारों द्वारा पारंपरिक संगीत के वादन के साथ हुई। इस दौरान जब पूजा और आरती के बाद नदी में मिट्टी के जलते दीये छोड़े गये, तब बड़ा अलौकिक दृश्य था। समारोह के समापन के समय एक जुलूस भी निकाला गया जिसमें सभी समुदायों के लोग शामिल हुए।

कर्नाटक में महसूस किए गए भूकंप के झटके, घबराकर घरों से निकले लोग

बेंगलुरु । बेंगलुरू के पड़ोसी जिले रामनगर में शनिवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। झटके महसूस होने के बाद लोग दहशत में घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि सुबह करीब साढ़े पांच बजे तीन झटके महसूस किए गए। बारिश से प्रभावित रामनगर तालुक में ज्यादा तीव्रता में लोगों ने झटके महसूस किए। भूंकप का बेज्जराहल्लीकट्टे, पदारहल्ली गांवों में प्रभाव अधिक रहा है। भूकंप के बाद जिला प्रसासन के अधिकारी गांवों में पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। भारी बारिश के कारण जिन लोगों के मवेशी, फसलें चली गई थीं, वे भूकंप के झटके से चिंतित हैं। भूकंप के झटके को लेकर अभी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

हिमाचल- केंद्र और प्रदेश में ईमानदार सरकार दी भाजपा ने : अनुराग ठाकुर

उना । हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार की गहमागहमी तेज हो गई है। यहां के उना के गगरेट विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हमने केंद्र में भी ईमानदार सरकार दी, प्रदेश में भी ईमानदार सरकार दी। केंद्र में मोदी जी और प्रदेश में जयराम जी ने हर तरह की सुविधा देने का काम किया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हम आजादी के 75 साल यानी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। हमारे पीएम के विजन और लोगों के सहयोग से नए युग का भारत बनेगा। आगे बढ़ने के लिए भारत को एकजुट होना चाहिए, विभाजित नहीं होना चाहिए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि पहले केंद्र और प्रदेश में कांग्रेस थी तो हिमाचल का विशेष राज्य का दर्ज़ा वापस ले लिया गया। जो हिमाचल को अटल बिहारी वाजपेयी ने दिया था वो मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी ने वापस ले लिया। लेकिन मोदी जी की सरकार आई तो उन्होंने हिमाचल को वो दर्ज़ा वापस दिया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि अंग्रेजों की मानसिकता से मुक्ति दिलाने का काम पीएम मोदी ने किया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के पांच प्रणों से पूरे देश को लाभ मिलेगा। अंग्रेज भारत में राज करने आए थे लेकिन अंग्रेज शासकों की मानसिकता से मुक्ति पाने का काम पीएम मोदी ने किया है। अब एक नए संसद भवन का निर्माण करवाने का काम नए भारत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नई सोच भारत को बहुत आगे ले जाने वाली है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

भारत-चीनः शुरुआत अच्छी

वे चीन में हमारे राजदूत रह चुके हैं। इसके अलावा अब अगले सप्ताह समरकंद में होनेवाली शांघाई सहयोग संगठन की बैठक में हमारे प्रधानमंत्री और चीनी नेता शी चिन फिंग भी शीघ्र ही भाग लेनेवाले हैं। हो सकता है कि वहां दोनों की आपसी मुलाकात और बातचीत हो।

(लेखक-डॉ वेदप्रताप वैदिक)

पिछले ढाई-तीन साल से भारत और चीन के संबंधों में जो तनाव पैदा हो गया था, वह अब कुछ घटता नजर आ रहा है। पूर्वी लद्दाख के गोगरा हॉट स्प्रिंग क्षेत्र से दोनों देशों की सेनाएं पीछे हटने लगी हैं। दोनों देशों के फौजियों के बीच दर्जनों बार घंटों चली बातचीत का यह असर तो है ही लेकिन ऐसा लगता है कि इसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका हमारे विदेश मंत्री जयशंकर की रही है। जयशंकर चीनी विदेश मंत्री से कई बार बात कर चुके हैं। वे चीन में हमारे राजदूत रह चुके हैं। इसके अलावा अब अगले सप्ताह समरकंद में होनेवाली शांघाई सहयोग संगठन की बैठक में हमारे प्रधानमंत्री और चीनी नेता शी चिन फिंग भी शीघ्र ही भाग लेनेवाले हैं। हो सकता है कि वहां दोनों की आपसी मुलाकात और बातचीत हो। वहां कोई अप्रियता पैदा नहीं हो, इस दृष्टि से भी दोनों फौजों की यह वापसी प्रासंगिक है। मोदी और शी के व्यक्तिगत संबंध जितने अनौपचारिक और घनिष्ट रहे हैं, उतने बहुत कम विदेशी नेताओं के होते हैं। इसके बावजूद दोनों में इस सीमांत मुठभेड़ के बाद अनबोला शुरु हो गया था। अब वह टूटेगा, ऐसा लगता है। यहां यह भी ध्यातव्य है कि गलवान घाटी मुठभेड़ के बाद चीनी माल के बहिष्कार के आह्वान के बावजूद भारत-चीन व्यापार में इधर अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। चीन के सिर पर यह तलवार लटकी रहती है कि भारत-जैसा बड़ा बाजार उसके हाथ से खिसक सकता है। चीनी नीति-निर्माताओं पर एक बड़ा दबाव यह भी है कि आजकल भारत पूर्व एशिया में अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान से जुड़कर चीन की नींद हराम क्यों कर रहा है? चीनी नेता इस तथ्य से भी चिंतित हो सकते हैं कि आजकल अमेरिकी सरकार पाकिस्तान की तरफ सामरिक और आर्थिक मदद का हाथ बढ़ा रही है। ऐसे में स्वाभाविक है कि चीन भारत के साथ संबंध सुधारने की कोशिश करे। यह तथ्य कितना रोचक है कि इस तनाव के बावजूद भारतीय, रूसी और चीनी फौजियों ने मिलकर सैन्य अभ्यास किया। गोगरा हॉटस्प्रिंग (पेट्रोलिंग पाइंट 15) से पीछे हटने का फैसला तो अच्छी शुरुआत है लेकिन उससे भी गंभीर मामला दमचोक और देपसांग का है। ये मामले पुराने हैं लेकिन इन्हें हल करना तो दूर रहा, अभी इनके बारे में दोनों पक्षों में बात भी शुरु नहीं हुई है। दोनों पक्ष अपने-अपने दावों पर अड़े हुए हैं। भारत का कहना है कि चीनी फौजें अप्रैल 2020 में नियंत्रण रेखा पर जहां थीं, वहां चली जाएं। लेकिन चीन का कहना है कि भारतीय फौज ने उक्त तिथि तक चीनी क्षेत्र में घुसपेठ कर ली थी। इस आंशिक समझौते से यह आशा जरुर बंधती है कि दोनों पक्ष अब शेष विवादग्रस्त मुद्दों पर कम से कम बात तो शुरु करेंगे। दोनों देशों की नियंत्रण सीमा-रेखा पर 50-50 हजार जवानों की फौजें अभी भी टिकी रहेंगी लेकिन उम्मीद है कि उनमें मुठभेड़ की नौबत नहीं आएगी। यदि वर्तमान आंशिक समझौता भारत-चीन संबंधों को सहज कर सके तो दोनों देश मिलकर 21 वीं सदी का नक्शा बदल सकते हैं।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

गांव का एक आदमी बेटे के साथ शहर के मॉल में पहली बार घूमने गया।

वहां उन्हें लिफ्ट दिखाई दी। दोनों ने लिफ्ट पहली बार देखी थी।

तभी वहां एक बुढ़िया आई। उसने बटन दबाया और दरवाजे के खुलते ही वह अंदर चली गई।

दोनों बाप-बेटे इस नजारे को आंख फाड़-फाड़कर देख रहे थे।

कुछ देर बाद लिफ्ट नीचे आई और उसके अंदर से एक लड़की निकली।

यह देखकर आदमी चिल्लायाः बेटा जल्दी घर जा और अपनी मां को लेकर आ।

☺ ☺ ☺

संता पहली बार किसी बड़े शहर में आया था। वह एक होटल में घुसा। होटल का कर्मचारी उसका सामान उठाकर चल पड़ा। संता भी उसके पीछे-पीछे चलने लगा। जैसे ही दरवाजा बंद हुआ, संता ने चारों तरफ देखा।

उसने उस कर्मचारी पर गुस्सा होते हुए कहा, मैं देहात से आया हूं तो इसका मतलब यह नहीं कि मैं शहर के बारे में नहीं जानता। मुझे पता है तुम मुझे मूर्ख बना रहे हो। मैंने कमरे के लिए बहुत रुपए दिए हैं। यह कमरा बिल्कुल नहीं चलेगा। न रोशनी न हवा के आने-जाने का कोई रास्ता है। यह तो इतना छोटा है कि इसमें चारपाई भी नहीं लगाई जा सकती है।

कर्मचारी ने कहा- सर, यह आपका कमरा नहीं है, यह तो लिफ्ट है।

ज्ञान चक्षु खोलने में समर्थ है शिकागो व्याख्यान

(11 सितंबर शिकागो भाषण दिवस पर विशेष)

(लेखिका- डॉ. वंदना सेन)

शिकागो में जाने के लिए स्वामी विवेकानंद जी ने भी अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ा। हालांकि भगवान की कृपा से यह समस्याएं दूर होती चली गई और स्वामी विवेकानंद जी अपने संकल्प को प्रवाहित करने के लिए धर्म सम्मेलन में सम्मिलित अनेक विद्वानों के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत किए थे। विद्वानों के समक्ष जब विवेकानंद जी ने अपने हृदय को खोलते हुए पूरे मन से कहा मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों। इस शब्द ने जिस आत्मीयता का बोध कराया, जिस अपनेपन का एहसास कराया, वह वहां उपस्थित मनीषियों के लिए एक नई बात थी।

वर्तमान में जिस प्रकार से देश प्रगति कर रहा है, उसी प्रकार से कुछ लोग भारतीयता से दूर भी होते जा रहे हैं। हालांकि इस निमित्त कई संस्थाएं भारतीय संस्कारों को जन जन में प्रवाहित करने के लिए प्रयास कर रही हैं। यही कार्य भारत के संत मनीषियों ने किया था, जिसके चलते संपूर्ण विश्व ने भारतीय दर्शन का साक्षात्कार किया। अमेरिका के शिकागो में स्वामी विवेकानंद जी ने जिन प्रेरक शब्दों का प्रवाह प्रसारित किया, उससे उस समय विश्व के अनेक आध्यात्मिक मनीषी आप्लावित होते दिखाई दिए। एकाग्रचित्त होकर श्रवण किया गया स्वामी विवेकानंद जी का यह संबोधन एक ऐसे मार्ग का दर्शन कराता है, जो व्यक्ति और राष्ट्र को सकारात्मक बोध कराने वाला था। स्वामी विवेकानंद जी के वे विचार न केवल भारतीय ज्ञान की पताका फहराने वाले थे, बल्कि उस भाव का भी प्रकटीकरण करने में समर्थ थे, जहां भारत के विश्व गुरु होने के प्रमाण प्रस्फुटित होते हैं। स्वामी विवेकानंद का शिकागो व्याख्यान एक ऐसा दर्शन था, जिसमें भारत के वसुधैव कुटुंबकम का भाव समाहित है। विश्व के किसी भी दर्शन में संपूर्ण विश्व को एक परिवार मानने की परंपरा और विचार परिलक्षित नहीं होता, लेकिन भारत की संस्कृति में यह दर्शन पुरातन काल से समाहित है। विश्व के सबसे पुराने प्रामाणिक ग्रंथों में भारत का मूल समाया हुआ है। इसी मूल को स्वामी विवेकानंद जी ने अमेरिका की धरती पर फैलाने का सफल प्रयास किया। हम जानते हैं कि अच्छे विचार को जन-जन में प्रवाहित करने के लिए कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ता है। शिकागो में जाने के लिए स्वामी विवेकानंद जी ने भी अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ा। हालांकि भगवान की कृपा से यह समस्याएं दूर होती चली गई और स्वामी विवेकानंद जी अपने संकल्प को प्रवाहित करने के लिए धर्म सम्मेलन में सम्मिलित अनेक विद्वानों के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत किए थे। विद्वानों के समक्ष जब विवेकानंद जी ने अपने हृदय को खोलते हुए पूरे मन से कहा मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों। इस शब्द ने जिस आत्मीयता का बोध कराया, जिस अपनेपन का एहसास कराया, वह वहां उपस्थित मनीषियों के लिए एक नई बात थी। उन्होंने इस प्रकार की कल्पना भी नहीं की और ना उनके दर्शन में ऐसा था। विवेकानंद की वाणी सबके हृदय को छूने वाली थी, सब सबके हृदय में हर्दियंगम होने वाली थी। इसीलिए प्रारंभिक शब्दों को सुनने के बाद पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान हो गया। इन तालियों में ही स्वामी विवेकानंद जी को जितना समय दिया गया था, वह समय निकल गया, लेकिन स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को सुनकर वहां उपस्थित प्रबुद्ध वर्ग ने स्वामी विवेकानंद जी को और ज्यादा समय देने को कहा। उसके बाद स्वामी विवेकानंद जी ने भारतीय दर्शन पर आधारित भारतीय संस्कारों से समाहित ऐसा प्रबोधन दिया, जो सबके लिए नया था। यही भारतीय संस्कृति का स्वरूप है। उस समय संपूर्ण विश्व के मनीषियों ने यह स्वीकार किया कि वास्तव में भारत ज्ञान के मामले में विश्व गुरु है। शिकागो व्याख्यान के प्रारंभ में स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था आपने जिस स्नेह के साथ मेरा स्वागत किया है उससे मेरा दिल भर आया है। मैं दुनिया की सबसे पुरानी संत परंपरा और सभी धर्मों की जननी की तरफ से आप सभी को धन्यवाद देता हूं। सभी जातियों, संप्रदायों के लाखों करोड़ों हिंदुओं की तरफ से आपका आभार व्यक्त करता हूं। अपने व्याख्यान में स्वामी विवेकानंद जी कहते हैं जिस तरह अलग-अलग जगहों से निकली नदियां अलग-अलग रास्तों से होकर आखिरकार समुद्र में मिल जाती हैं। ठीक उसी तरह मनुष्य अपनी इच्छा से अलग-अलग रास्ते चुनता है। यह रास्ते देखने में भले ही अलग-अलग लगते हों, लेकिन यह सब ईश्वर तक ही जाते हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि विश्व के सभी धर्मों की एक ही उपयुक्त राह है कि हम ईश्वर की प्राप्ति में लग जाएं। स्वामी विवेकानंद जी की वाणी भारतीयता से ओतप्रोत थी। विवेकानंद जी जब भी बोलते थे, उनके एक एक शब्द में भारत का प्रस्फुटन होता था। वे निश्चित रूप से उस भारतीय संस्कृति के संवाहक थे, जो समस्त विश्व के दिशादर्शक हैं। तभी तो वे कहते थे कि भारतीय संस्कृति केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक प्रगति का आधार है। वर्तमान समय में भी स्वामी विवेकानंद जी विचार उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने पुरातन काल में होते थे। स्वामी जी युवाओं को शक्तिशाली बने रहने का भी उपदेश देते थे। उनका मानना था कि जिस देश का युवा निर्बल और शक्तिहीन होगा, वह राष्ट्र कभी शक्ति संपन्न नहीं हो सकता। हिंदुत्व के बारे में स्वामी विवेकानंद जी की स्पष्ट धारणा थी। वे अपनी वाणी के माध्यम से यह भी कहते थे कि तुम तब और केवल तब ही हिन्दू कहलाने के अधिकारी हो, जब इस नाम को सुनने मात्र से तुम्हारे शरीर में विद्युत प्रवाह की तरह तरंग दौड़ जाए और हर व्यक्ति सगे से भी ज्यादा पसंद आने लगे। स्वामी विवेकानंद जी सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार की तरह ही देखते थे। शिकागो में स्वामी विवेकानंद जी का प्रबोधन इसी भाव धारा का प्रवाहन था। जिसकी गूंज आज भी ध्वनित होती रहती है। स्वामी विवेकानंद जी ने भारत के बारे में तीन अति महत्व की भविष्यवाणी की थीं। 1890 के दशक में उन्होंने कहा था कि भारत अकल्पनीय परिस्थितियों के बीच अगले 50 वर्षों में ही स्वाधीन हो जाएगा। जब उन्होंने यह बात कही तब कुछ लोगों ने इस पर ध्यान दिया। उस समय ऐसा होने की कोई संभावना भी नहीं दिख रही थी। ऐसी पृष्ठभूमि में स्वामी विवेकानंद जी की यह सत्य सिद्ध दी हुई। विवेकानंद ने ही एक और भविष्यवाणी की थी जिसका सत्य सिद्ध होना शेष है। उन्होंने कहा था भारत एक बार फिर समृद्धि तथा शक्ति की महान ऊँचाइयों पर उठेगा और अपने समस्त प्राचीन गौरव को पीछे छोड़ जाएगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि अतीत से ही भविष्य बनता है। अतः यथासंभव अतीत की ओर देखो और उसके बाद सामने देखो और भारत को उज्वल तक पहले से अधिक पहुंचाओ। हमारे पूर्वज महान थे। हम भारत के गौरवशाली अतीत का जितना ही अध्ययन करेंगे हमारा भविष्य उतना ही उज्वल होगा। भारत में श्रीराम, कृष्ण, महावीर, हनुमान तथा श्री रामकृष्ण जैसे अनेक ईष्ट और महापुरुषों के आदर्श उपस्थित हैं। महापुरुषों में संपूर्ण समाज का भला करने की नीति का ही पालन किया। स्वामी जी एक कथन बहुत ही प्रचलित है उतिष्ठत जागृत, प्राप्य वरान्निबोधत। अर्थात उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत। यह कथन जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बहुआयामी प्रगति का मार्ग तैयार करेगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि धर्म को हानि पहुंचाए बिना ही जनता की उन्नति की जा सकती है। किसी को आदर्श बना लो, यदि तुम धर्म को फेंक कर राजनीति, समाजनीति अथवा अन्य किसी दूसरी नीति को जीवन शक्ति का केंद्र बनाने में सफल हो जाओ तो उसका फल यह होगा कि तुम्हारा अस्तित्व नहीं रह जाएगा। भारत में हजारों वर्षों से धार्मिक आदर्श की धारा प्रवाहित हो रही है। भारत का वायुमंडल इस धार्मिक आदर्श से शताब्दी तक पूर्ण रह कर जगमगाता रहा है। हम इसी धार्मिक आदर्श के भीतर पैदा हुए और पले हैं। यहां तक कि धर्म हमारे जन्म से ही हमारे रक्त में मिल गया है, जीवन शक्ति बन गया है। यह धर्म ही है जो हमें सिखाता है कि संसार के सारे प्राणी हमारी आत्मा के विविध रूप ही हैं। सच्चाई यह भी है कि हमारे लोगों ने धर्म को समाज में सही रूप में उपयोग भी नहीं किया है। अतः भारत में किसी प्रकार का सुधार या उन्नति की चेष्टा करने के पहले धर्म को अपनाने की आवश्यकता है। भारत को राजनीतिक विचारों से प्रेरित करने के पहले जरूरी है कि उसमें आध्यात्मिक विचारों की बाढ़ ला दी जाए। शिक्षा हमारी मूलभूत आवश्यकता है। भारत के लोगों को यदि आत्मनिर्भर बनने की शिक्षा नहीं दी जाएगी, तो सारे संसार की दौलत से भारत के एक छोटे से गांव को भी सहायता नहीं की जा सकती। नैतिक तथा बौद्धिक दोनों ही प्रकार की शिक्षा प्रदान करना हमारा पहला कार्य होना चाहिए। शिक्षा के माध्यम से भारत का स्वत्व प्रकट होना चाहिए, भारत के संस्कार प्रवाहित होने चाहिए। कहा जाता है कि जिस देश की शिक्षा में वहां के तत्व नहीं हैं तो वह शिक्षा उस देश के स्वत्व को समाप्त करने का मार्ग ही तैयार करेगी। इसलिए भारत को सर्वांगीण विकास करने वाली शिक्षा देने का प्रयास करना चाहिए। राष्ट्रभक्तों की टोलियों पर स्वामी विवेकानंद ने कहा है देशभक्त बनो। इन बातों से युक्त विश्वासी युवा देशभक्तों की आज भारत को आवश्यकता है। स्वामीजी का स्वप्न था कि उन्हें 1000 तेजस्वी युवा मिल जाएं तो वह भारत को विश्व शिखर पर पहुंचा सकते हैं। मेरा विश्वास युवा पीढ़ी, नई पीढ़ी में है। मेरे कार्यकर्ता इनमें से आएंगे और वह सिंहों की भांति समस्याओं का हल निकालेंगे। ऐसे युवाओं में और किसी बात की जरूरत नहीं है। बस केवल प्रेम, सेवा, आत्मविश्वास, धैर्य और राष्ट्र के प्रति असीम श्रद्धा होनी चाहिए। नारी जागरण पर स्वामी विवेकानंद कहते हैं स्त्रियों की पूजा करके ही सभी राष्ट्र बड़े बने हैं। जिस देश में स्त्रियों की पूजा नहीं होती, वह देश या राष्ट्र कभी बड़ा नहीं बन सका है और भविष्य में कभी बड़ा भी नहीं बन सकेगा। हम देख रहे हैं कि नौ देवियों लक्ष्मी और सरस्वती को मां मानकर पूजने वाले सीता जैसे आदर्श की गाथा घर-घर में गाने वाले यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता को हृदय में बसाने वाले भारत में नारी को यथोचित सम्मान प्राप्त नहीं है। हमारी मानसिकता बदल रही है किंतु उसकी गति बहुत धीमी है, यदि हम देश की तरक्की चाहते हैं तो सबसे पहले अपनी सोच को बदल कर नारी जागरण और उत्कर्ष पर चिंतन और त्वरित क्रियाशीलता दिखानी भी होगी। ग्रामीण आदिवासी स्त्रियों की वर्तमान दशा में उद्धार करना होगा, आम जनता को जगाना होगा, तभी तो भारत वर्ष का कल्याण होगा।

विचार मंथन

भारत की प्रशंसक

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का 96 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने 70 वर्षों तक शासन किया और ब्रिटिश इतिहास में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली महारानी थीं। बकिंघम पैलेस ने 10 दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा करते हुए एक बयान में उनके निधन की घोषणा की। एलिजाबेथ द्वितीय पिछले अक्टूबर से काफी बीमार थीं। उन्हें चलने और खड़े होने में कठिनाई हो रही थी। उन्होंने हाल की अपनी यात्राओं में भी काफी कटौती की थी। उनके चार बच्चों में सबसे बड़े चार्ल्स, प्रिंस ऑफ वेल्स उनके निधन के बाद राजा बनेंगे। औपनिवेशिक शासन से भारत की आजादी के बाद 1952 में ब्रिटिश सिंहासन पर काबिज होने वाली पहली ब्रितानी शासक महारानी एलिजाबेथ द्वितीय भारत की सामाजिक एवं सांस्कृतिक समृद्धि एवं विविधता की प्रशंसक थीं। महारानी ने अपने 70 साल लंबे शासनकाल में तीन बार-1961, 1983 और 1997 में भारत की यात्रा की थी। इस दौरान महारानी ने देश में मिली गर्मजोशी और आतिथ्य की खूब तारीफ भी की थी। उन्होंने अपने एक संबोधन में कहा था, भारतीयों की गर्मजोशी और आतिथ्य-सत्कार के अलावा भारत की समृद्धि और विविधता हम सभी के लिए एक प्रेरणा रही है। 1961 में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय और उनके दिवंगत पति प्रिंस फिलिप ने मुंबई, चेन्नई और कोलकाता का दौरा किया था। उन्होंने आगरा पहुंचकर ताज महल का दीदार करने के साथ ही दिल्ली में राष्ट्रपिता के स्मारक राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी अर्पित की थी। एलिजाबेथ और फिलिप तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के निमंत्रण पर भारत की गणतंत्र दिवस परेड में सम्मानित अतिथि थे। महारानी ने दिल्ली के रामलीला मैदान में हजारों लोगों की भीड़ को संबोधित भी किया था। महारानी ने 1983 में राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक (चोगम) में हिस्सा लेने के लिए भारत की यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने मदर टेरेसा को ऑर्डर ऑफ द मेरिट की मानद उपाधि से नवाजा था। भारत की उनकी अंतिम यात्रा देश की आजादी की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हुई थी। इस दौरान उन्होंने पहली बार औपनिवेशिक इतिहास के कठोर दौर' का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था, यह कोई रहस्य नहीं है कि हमारे अतीत में कुछ कठोर घटनाएं हुई हैं। जलियांवाला बाग एक दुखद उदाहरण है। महारानी और उनके पति ने बाद में 1919 में नरसंहार के गवाह बने अमृतसर के जलियांवाला बाग का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की थी। महारानी के निधन के बाद उनके बेटे प्रिंस चार्ल्स को महाराजा बनाया गया है। महारानी के निधन के बाद ब्रिटेन में काफी कुछ बदलाव आएंगे। ब्रिटेन के राष्ट्रगान के बोल संविधान में संशोधन के बाद बदल दिए जाएंगे। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मौत के साथ ही राष्ट्रगान में अब गॉड सेव द क्वीन की जगह गॉड सेव द किंग में बदला जाएगा। गॉड सेव द किंग वास्तव में ऑरिजिनल यूनाइटेड किंगडम का नेशनल एंथम है। यह 1745 में लिखा गया था और रॉयल फैमिली की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार 19वीं शताब्दी की शुरुआत में इसका इस्तेमाल यूके के राष्ट्रगान के रूप में जाना जाने लगा। इसके साथ ही ब्रिटेन में नई करेंसी छापी जाएगी। अभी तक नोटों पर रानी का फोटो छापा जाता था लेकिन अब उनके निधन के बाद ब्रिटेन के नए राजा किंग चार्ल्स की तस्वीर छापी जाएगी। इसके साथ ही आदेशों के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले पुराने स्टैंप भी नए बनेंगे और सुरक्षा बलों के प्रतीक चिन्ह में भी अब रानी की जगह किंग होंगे। एलिजाबेथ के शासन के दौरान यूनाइटेड किंगडम में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए, जैसे अफ्रीका की ब्रिटिश उपनिवेशीकरण से स्वतंत्रता, यूके की संसद की शक्तियों का वेल्स, स्कॉटलैंड, इंग्लैंड व आयरलैंड की संसदों में विभाजन इत्यादि। अपने शासनकाल के दौरान उन्होंने विभिन्न युद्धों के दौरान अपने राज्य का नेतृत्व किया।

सर्वपल्ली राधाकृष्णन

एक समग्र व्यक्तित्व के धनी -डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन

(लेखक- मुकेश तिवारी)

डॉक्टर राधाकृष्ण के पूर्वज मद्रास के समीपवर्ती गांव सर्वपल्ली में निवास करते थे यही से उक्त ब्राह्मण परिवार आजीविका की तलाश में तिरुतणी गांव में आकर बस गया था ,इसलिए राधा कृष्ण का नाम सर्वपल्ली राधाकृष्णन पड़ा, इनके पिता श्री वीर स्वामी पुरोहिताई करते थे ,इस कार्य के अंतर्गत वह शिक्षा, धार्मिक उपदेश व दीक्षा भी देते थे, राधा कृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को हुआ था ,इनकी मां का नाम सीताम्मा था वे पांच भाई बहन थे इनके माता-पिता धनी तो नहीं थे किंतु निर्धन भी नहीं थे, इसका स्पष्ट कारण था कि इनके पिता स्थानीय जमीदार के राजपुरोहित थे, फिर भी राधाकृष्णन ने स्वयं के बलबूते पर ही अपने व्यक्तित्व का निर्माण किया। राधा कृष्णन की 12 वर्ष तक की प्रार्भिक शिक्षा इनके पिता की देखरेख में गांव में ही रहकर हुई, 1903 में 16 बर्ष की आयु में सिवाकामू के साथ हुआ था, इसके पश्चात उनके पिता जब तिरुतणी गांव में जाकर बस गए ,तो उनका परिचय यहां ईसाई मिशनरियों से हुआ, इन मिशनरियों ने बाद में राधाकृष्णन को पश्चिम ज्ञान अर्जित कराया, क्रिश्चियन स्कूल में तालीम के कारण इन्हें अंग्रेजी विषय का अच्छा ज्ञान हो गया, साथ ही बाइबल भी कंठस्थ हो गई ,पुस्तकों का अध्ययन इनकी आदत बन गई, वेल्लोर के वूर हीज कॉलेज में उन्होंने स्कूली शिक्षा ग्रहण की और इसके पश्चात मद्रास के क्रिश्चियन कॉलेज में दाखिला लिया , यहां उनके सहपाठियों में पंडित कृष्णा स्वामी अय्यर थे जो आगे चलकर भारतीय संविधान निर्माण समिति के सदस्य बने राधा कृष्णन,अपनी सभी कक्षाओं में सदैव प्रथम स्थान प्राप्त करते रहें मद्रास के क्रिश्चियन कॉलेज में प्रवेश से उनका संपर्क ईसाई मिशनरियों से तो बढा , परंतु जब मिशनरियां पुरानी भारतीय रीति -नीति को सड़ा गला घोषित कर व तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर प्रस्तुत करती तो वे काफी दुखी हो जाते थे, उन्होंने एम. ए में दर्शन शास्त्र विषय को इसलिए चुना क्योंकि विवेकानंद जी से वह काफी प्रभावित थे ,20 वर्ष की आयु में राधा कृष्णन ने अपना प्रथम निबंध निबंध दि इथिकस आफ दि वेदांत लिखा , उक्त लेख पर दर्शन शास्त्र के प्राध्यापक ए जी हाग की प्रतिक्रिया थी , एम ए की परीक्षा के लिए विद्यार्थी ने जो निबंध प्रस्तुत किया है, उससे यह प्रमाणित होता है कि छात्र दर्शन शास्त्र के मुख्य सिद्धांतों से पूर्णता परिचित है और उसे सब कुछ कंठस्थ याद है, जटिल तर्कों को वह उपयुक्त व सहज ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता रखता है, इन सबके अलावा उसका अंग्रेजी भाषा पर भी प्रभुत्व होना विलक्षण प्रतिभा को दर्शाता है, हमारे देश में डां राधाकृष्णन के जन्मदिन 5 सितंबर को प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता हैं मद्रास राज्य में शिक्षा सेवा के लिए एल टी होना जरुरी था, इसलिए उन्होंने टीचर्स कॉलेज ,सेदापेठ में वर्ष 1910 में दाखिला लिया, यहां भी उनकी विलक्षण प्रतिभा से सब लोग चकित थे , जब एल टी परीक्षा की तैयारी के लिए टीचर्स कॉलेज के प्रोफेसर ने अन्य छात्रों के लिए राधाकृष्णन से व्याख्या प्रस्तुत करने के लिए कहा,तो उन्होंने कुल तेरह व्याख्यान दिए, राधा कृष्णन के इस व्याख्यान पर स्वयं एम के रंगास्वामी अयंगर की प्रतिक्रिया थी, राधाकृष्णन के व्याख्यानों में विषय की गहराई,वागिमता, परिष्कृत शैली, शब्दों के सुंदर चयन ने सबका मन मोह लिया, वर्ष 1911 में राधाकृष्णन ने कालेज की औपचारिक शिक्षा पूरी कर ली , उन्होंने अब तक की सभी परीक्षाएं विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण की थी,हमारे शास्त्रों में लिखा है कि ज्ञान तभी प्राप्त होता है,जब गुरु के प्रति निष्ठा व भक्ति हो, विनम्रता की प्रतिमूर्ति राधाकृष्णन ने इस तथ्य पर पूरी तरह अमल किया,वह मद्रास के क्रिश्चियन कॉलेज में दर्शन शास्त्र के प्रोफेसर डॉ ए जी हाग के प्रिय छात्रों में से एक थे, गुरु के प्रति उनके जहन में अगाध प्रेम और निष्ठा थी, जब कि दूसरी ओर मिशनरियों द्वारा हिन्दू धर्म की भ्रमक तस्वीर पेश करना उन्हें काफी आहत कर देता था, इस प्रसंग को उन्होंने सकारात्मक रूप में लिया और अपने ज़हन में यह निश्चिय कर लिया कि वह एक दिन अवश्य ही हिंदू धर्म के सही मर्म से मिशनरियों को रुवरू कराएंगे,ताकि हिन्दू धर्म के प्रति जो ग़लत धारणाएं उन्होंने पाल रखी थी, उनसे वे उबर सके, राधाकृष्णन का यह संकल्प उनकी गुरुभक्ति में न तो बाधक था और न ही उनकी गुरु निष्ठा में कोई कमी ला सका , राधा कृष्णन किसी धनी परिवार से नही थे वे निर्धनता से अच्छी तरह वाकिफ थे.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप सार्वका लिक उच्च स्तर पर

मुंबई । बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन अब तक के सबसे उच्चतम स्तर 283 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। शुक्रवार को तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 104.92 अंक चढ़कर 59,793.14 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 60,000 अंक पर पहुंच गया था। शेयरों में तेजी से बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 2,83,03,925.62 करोड़ रुपए के अपने सार्वको लिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। दो दिनों में निवेशकों की संपत्ति भी 2,16,603.93 करोड़ रुपए बढ़ी। बाजार के जानकारों ने कहा कि शुक्रवार को बाजार में तेजी सीमित रही। हालांकि सेंसेक्स का कारोबार के दौरान 60,000 पर पहुंचना घरेलू अर्थव्यवस्था में निवेशकों के विश्वास को बताता है। विदेशी निवेशकों ने अगस्त में भारतीय इक्विटी बाजारों में 51,200 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक यह 20 महीनों की उच्चतम आवक है। तेल कीमतों में स्थिरता और जोखिम लेने की भावना में बढ़ोतरी के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का रुझान भारत की ओर बढ़ा है। इससे पहले जुलाई में एफपीआई ने लगभग 5,000 करोड़ रुपए का निवेश किया था। एफपीआई ने लगातार नौ महीनों तक बड़े पैमाने पर शुद्ध बिकवाली करने के बाद जुलाई में पहली बार खरीदारी की थी। उन्होंने अक्टूबर 2021 से जून 2022 के बीच भारतीय इक्विटी बाजारों से 2.46 लाख करोड़ रुपए निकाले।

चावल के उत्पादन में इस साल आ सकती है एक करोड़ टन की गिरावट

नई दिल्ली । सरकार ने कहा कि इस साल भारत के चावल उत्पादन में एक करोड़ से 1.12 करोड़ टन की गिरावट आ सकती है। खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने कहा कि कई राज्यों में कम बारिश के कारण इस खरीफ सीजन में अब तक धान का रकबा 38 लाख हेक्टेयर कम है। हालांकि यह एक शुरुआती अनुमान है जो रकबे में गिरावट और औसत उपज पर आधारित है। उत्पादन में गिरावट कम हो सकती है क्योंकि जिन राज्यों में अच्छी बारिश हुई है वहां उपज में सुधार हो सकता है। फसल वर्ष 2021-22 जुलाई-जून के दौरान चावल का कुल उत्पादन 13.29 करोड़ टन रिकॉर्ड होने का अनुमान है। यह पिछले पांच वर्षों के 11.64 करोड़ टन के औसत उत्पादन से 1.38 करोड़ टन अधिक है। पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख चावल उत्पादक राज्यों में औसत से कम बारिश ने चावल के उत्पादन पर चिंता पैदा कर दी है। इस साल पहले ही गेहूं के निर्यात और प्रतिबंधित चीनी शिपमेंट पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। भारत दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक है, जबकि उत्पादन में वह चीन के बाद दूसरे नंबर पर आता है। भारत कुल वैश्विक निर्यात का 40 फीसदी शिपमेंट करता है। उसके पास चावल का पर्याप्त भंडार भी है। विशेषज्ञ के मुताबिक उत्पादन में कमी का असर कीमतों पर देखने को मिल सकता है और चावल की कीमत बढ़ सकती है। लिहाजा सरकार अभी से इसके लिए उपाय कर रही है। निर्यात पर प्रतिबंध और शुल्क लगाना इसी का हिस्सा है।

भारत का 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना सामान्य उपलब्धि नहीं: सीतारमण

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि एक दशक में भारत का दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार ब्रिटेन को पीछे छोड़कर भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अब केवल अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी ही भारत से आगे हैं। एक दशक पहले, भारत बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में 11वें स्थान पर था, जबकि ब्रिटेन पांचवें स्थान पर था। वित्त मंत्री ने हाल ही में एक अवार्ड्स समारोह में कहा कि यह कोई मामूली उपलब्धि नहीं है। देश के लोगों को इसका श्रेय लेना चाहिए। इन 10 वर्षों के दौरान कोविड महामारी का प्रकोप हुआ और सब कुछ ठप पड़ गया। उन्होंने कहा कि महामारी के बाद की पुनरुद्धार की गति के बारे में हमेशा सवाल किए जाते हैं, लेकिन तथ्य यह है कि हम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं। देश की उपलब्धियों को लेकर नकारात्मकता नहीं होनी चाहिए। इस बारे में सोचिए कि हम अपने देश के लिए क्या कर रहे हैं। भले ही हम इसकी सेवा न करें, कम से कम नुकसान तो न पहुंचाए। यह ऐसा वक्त है, जब हम सभी सकारात्मक रहना चाहते हैं। वित्त मंत्री ने डिजिटल भुगतान और टीकाकरण के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का भी जिक्र किया।

कारोबारी हफ्ते में सोने और चांदी के भाव में आया उछाल

नई दिल्ली । भारतीय सर्राफा बाजार में सोने की साप्ताहिक कीमतों में तेजी आई है। वहीं चांदी भी महंगी हुई है। इस कारोबारी हफ्ते में सोने के भाव में 107 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी देखी गई है, जबकि चांदी के भाव में 1,337 रुपये प्रति किलोग्राम का उछाल आया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी आईबीजीए की वेबसाइट के मुताबिक, बिजनेस वीक (22 से 26 अगस्त) की शुरुआत में 24 कैरेट सोने का रेट 50,770 था, जो शुक्रवार तक बढ़कर 50,877 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। वहीं, 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 53,363 से बढ़कर 54,700 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। गौरतलब है कि आईबीजीए की ओर से जारी कीमतों से अलग-अलग शुध्दता के सोने के स्टैंडर्ड भाव की जानकारी मिलती है। ये सभी दाम टैक्स और मेकिंग चार्ज के पहले के हैं। आईबीजीए द्वारा जारी दरें देशभर में सर्वमान्य हैं, लेकिन इसकी कीमतों में जीएसटी शामिल नहीं होती है। पिछले हफ्ते सोना-चांदी निचले स्तर से सुधरा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमत 0.32 फीसदी बढ़कर 50529 के स्तर पर बंद हुई।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2 साल के निचले स्तर पर

मुंबई । भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट देखी जा रही है। अगस्त में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। 2 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 560 अरब डॉलर से गिरकर 553.105 अरब डॉलर पर आ गया। इसमें 7.941 अरब डॉलर की गिरावट देखने को मिली। इस समय मुद्रा भंडार 2 साल के निचले स्तर पर आ गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि हालिया गिरावट की मुख्य वजह रिजर्व बैंक द्वारा बड़ी मात्रा में डॉलर की बिकवाली है। रुपए की कमजोरी से निपटने के लिए आरबीआई ने पिछले दिनों यह कदम उठाया जिसका असर मुद्रा भंडार पर दिख रहा है। बीते सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सभी घटकों में गिरावट देखने को मिली है। 26 अगस्त 2022 को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 561.046 अरब डॉलर था। इसके अलावा 2 सितंबर को समाप्त सप्ताह मे फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) 6.527 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 492.117 अरब डॉलर हो गया। विदेशी मुद्रा भंडार में एफसीए प्रमुख घटक है। पिछले सप्ताह एफसीए 498.645 अरब डॉलर था। इस बीच 2 सितंबर को समाप्त सप्ताह में सोने का भंडार 38.303 अरब डॉलर पर आ गया। इसमें 1.339 अरब डॉलर की गिरावट देखी गई। दूसरी तरफ, एसडीआर 5 करोड़ डॉलर घटकर 17.782 अरब डॉलर हो गया। आईएमएफ में रिजर्व पोजीशन 2.4 करोड़ डॉलर गिरकर 4.902 अरब डॉलर हो गई। जेफरीज ने 6 सितंबर के अपने नवीनतम नोट में कहा था कि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति पर नजर रखने की जरूरत है।` विशेषज्ञ के मुताबिक रुपए की कीमत ने रिजर्व बैंक की टेंशन थोड़ी बढ़ा दी है। लिहाजा आरबीआई रुपए की कीमत को नियंत्रित करने के लिए कदम उठा रहा है। इन चीजों का असर मुद्रा भंडार पर दिख रहा है। डॉलर में तेजी की वजह से भारतीय रुपया पर लगातार दबाव बना हुआ है।

भारत के जीडीपी में वृद्धि पूर्वानुमान के प्रति बढ़ रहा जोखिम!

नई दिल्ली ।

देश में आर्थिक आंकड़ों के बीच दो अंकों की वार्षिक वृद्धि प्रथम दृष्टया प्रभावशाली है, लेकिन वास्तविक प्रिंट बाजार की उम्मीदों से लगभग 2 प्रतिशत कम है और साथ ही कमजोर अनुक्रमिक गति भी है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट ने खरीफ चावल की फसल पर वर्षा के आसमान वितरण के प्रतिकूल प्रभाव के कारण अपने मौजूदा वित्तवर्ष 2023 जीडीपी विकास अनुमान 7.5 प्रतिशत के बढ़ते जोखिम को स्वीकार किया है। वैश्विक मांग में एक भौतिक मंदी की उम्मीद और केंद्र सरकार द्वारा अपने राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पूरा करने के लिए कुछ बैक-लोडेड व्यय युक्तिकरण की संभावना है। उच्च वार्षिक वृद्धि संख्या के साथ एक कमजोर मौसमी रूप से समायोजित प्रिंट हेडलाइन जीडीपी में एक अनुकूल सांख्यिकीय आधार की भूमिका को रेखांकित करता है। एक अनुकूल सांख्यिकीय आधार के संयोजन, आर्थिक गतिविधि का पूर्ण अनलॉकिंग, विशेष रूप से कॉन्टेक्ट-इंटेन्सिव सेवा क्षेत्र में मांग में कमी और उच्च टीकाकरण कवरेज ने भारत को वित्तवर्ष 2023 की पहली तिमाही में जीडीपी में दोहरे अंकों में विस्तार करने में मदद की है। जून को समाप्त तिमाही के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि मॉर्गन स्टेनली के आम सहमति अनुमानों से कमजोर थी। हालांकि, घरेलू मांग अपेक्षाकृत स्वस्थ रही। मॉर्गन स्टेनली ने एक रिपोर्ट में कहा कि क्यूई जून में उम्मीद से कम वृद्धि उसके वित्तवर्ष 2023 के विकास अनुमानों के मुकाबले 40 बीपी की गिरावट का जोखिम पैदा करती है। भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक अनुसंधान विभाग की एक शोध रिपोर्ट में कहा गया है, जीडीपी जितना खुलासा करती है उससे कहीं अधिक छुपाती है। रिपोर्ट में कहा गया, हम दृढ़ता से मानते हैं कि विनिर्माण क्षेत्र के विकास के अनुमान को इस अर्थ में गंभीर आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता है कि आईआईपी अभी भी 2012 के आधार पर अनुक्रमित है। सीपीआई बास्केट भी 2012 के बाद से नहीं बदली है और इसके परिणामस्वरूप कई बार सीपीआई मुद्रास्फीति को बढ़ा दिया गया है। एक रिपोर्ट में कहा गया कि क्रमिक संकुचन के बावजूद, मजबूत वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि आंशिक रूप से अनुकूल आधार प्रभाव को दर्शाती है, क्योंकि 2022 की पहली तिमाही की वृद्धि कोविड डेल्टा लहर से गंभीर रूप से प्रभावित हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भले ही घरेलू आर्थिक गतिविधि में सुधार हो रहा है, मगर अभी भी व्यापक-आधारित, दीर्घ वैश्विक दबावों के रूप में ऊंची कीमतों, आपूर्ति की कमी, सिकुड़ती कॉर्पोरेट लाभप्रदता, मांग पर अंकुश लगाने वाली मौद्रिक नीतियों और घटती वैश्विक विकास संभावनाओं का उत्पादन पर भार है। यह घरेलू विकास पर दबाव डालेगा, जो अभी तक व्यापक-आधारित नहीं है। हम देख रहे हैं कि वित्तवर्ष 2023 के लिए हमारे 7 फीसदी विकास पूर्वानुमान के लिए नकारात्मक जोखिम बढ़ रहा है।

शेयर बाजार साप्ता हिक समीक्षा: सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी की तेजी रही

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी निवेशकों की लिवाली से बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में लगभग लगभग दो फीसदी की तेजी दर्ज की गई। भारतीय शेयर बाजारों में बीते सप्ताह की शुरुआत बढ़त के साथ हुई और सप्ताह भर उतार-चढ़ाव भरा कारोबार करते हुए शुक्रवार को तेजी के साथ ही बंद हुए। पिछले सप्ताह के कारोबार पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी` दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 286.36 अंक चढ़कर 59,089.69 पर खुला और 442.65 अंक मजबूत होकर 59,245.98 अंक पर बंद हुआ। जबकि एनएसई निफ्टी 77.9 अंक बढ़कर 17,617.35 पर खुला और 126.35 अंक चढ़कर 17,665.80 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 320.69 अंक चढ़कर 59,566.67 पर खुला और 48.99 अंक की गिरावट के साथ 59,196.99 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 98.85 अंक बढ़कर 17,764.65 पर खुला और 10.20 अंक यानी 0.06 प्रतिशत फिसलकर 17,655.60 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 474.1 अंक गिरकर 58,722.89 पर खुला और 168.08 अंक की गिरावट के साथ 59,028.91 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 171.3 अंक गिरकर 17,484.30 पर खुला और 31.20 अंक की

गिरावट के साथ 17,624.40 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 550.73 अंक चढ़कर 59,579.64 पर खुला और 659.31 अंक की मजबूती के साथ 59,688.22 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 156.1 अंक बढ़कर 17,780.50 पर खुला और निफ्टी 174.35 अंक की बढ़त के साथ 17,798.75 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 431.58 अंक चढ़कर 60,119.80 पर खुला और 104.92 अंक की वृद्धि के साथ 59,793.14 पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई निफ्टी 127.2 अंक बढ़कर 17,925.95 पर खुला और 34.60 अंक की बढ़त के साथ 17,833.35 पर बंद हुआ।

नजारा टेक्नोलॉजी के शेयर से एक दिन में निवेशक हुए मालामाल

मुंबई ।

गेमिंग और स्पोर्ट्स मीडिया प्लेटफॉर्म नजारा टेक्नोलॉजी का शेयर शुक्रवार को इंट्रा डे में 16 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। सेक्टर में सुस्त मांग के बावजूद इस स्मॉल कैप स्टॉक ने एक ही दिन में कई निवेशकों की चांदी कर दी। दिवगंत राकेश झुनझुनवाला की भी नजारा टेक्नोलॉजी में भी बड़ी हिस्सेदारी थी। कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को नजारा टेक्नोलॉजी का स्टॉक बीएसई पर 11.17 फीसदी की तेजी के साथ 73.95 अंक चढ़कर 736 रुपए पर बंद हुआ। वहीं दिन के दौरान इस शेयर ने 767.05 रुपए का इंट्रा डे हाई लगाया और करीब 15.86 प्रतिशत तक चढ़ा। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप करीब 4839.54 करोड़ रुपए हो गया है। नजारा टेक्नोलॉजी का स्टॉक पिछले साल मार्च में शेयर बाजार में लिस्टेड हुआ था। हालांकि मौजूदा वित्तीय वर्ष में यह शेयर अपने आईपीओ प्राइज बैंड :1,101 से नीचे ट्रेड कर रहा है, लेकिन इस साल अगस्त के बाद से नज़ारा के शेयरों में काफी तेजी देखने को मिली है और यह रिकवरी की राह पर है। एक महीने के अंदर ही इस स्टॉक में करीब 13 प्रतिशत की तेजी आई है। मशहूर निवेशक दिवंगत राकेश झुनझुनवाला की 30 जून 2022 तक नजारा टेक्नोलॉजी में करीब 10 फीसदी हिस्सेदारी थी और उनके पास कंपनी के 65,88,620 शेयर थे।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 35 प्रतिशत बढ़कर 6.48 लाख करोड़ पहुंचा

- पिछले साल की इसी अवधि के कुल कलेक्शन की तुलना में 35.46 प्रतिशत अधिक है

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष में आठ सितंबर तक व्यक्तिगत आयकर सहित प्रत्यक्ष कर संग्रह (डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन) 35.46 प्रतिशत बढ़कर 6.48 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। आयकर विभाग के आंकड़ों के अनुसार रिफंड घटाकर डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 5.29 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल इसी अवधि के शुद्ध संग्रह से 30.17 प्रतिशत अधिक है। यह कलेक्शन वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रत्यक्ष करों के कुल बजट अनुमान का 37.24 प्रतिशत है। बयान में कहा गया कि एक अप्रैल से आठ सितंबर, 2022 तक 1.19 लाख करोड़ रुपए बतौर रिफंड जारी किए गए। यह आंकड़ा पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 65.29 प्रतिशत अधिक है। विशेषज्ञ का कहना है कि कर संग्रह में जोरदार बढ़ोतरी से पता चलता है कि अर्थव्यवस्था में तेजी है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर 13.5 प्रतिशत रही। डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के आठ सितंबर 2022 तक के आंकड़े बताते हैं कि कुल कलेक्शन 6.48 लाख करोड़ रुपए है, जो पिछले साल की इसी अवधि के कुल कलेक्शन की तुलना में 35.46 प्रतिशत अधिक है। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी आयकर (सीआईटी) और व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) में क्रमशः 25.95 प्रतिशत और 44.37 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष कर मद में 14.20 लाख करोड़ रुपए एकत्र करने का अनुमान लगाया है। इसमें कॉरपोरेट कर से 7.20 लाख करोड़ रुपए और व्यक्तिगत करदाताओं से 7.0 लाख करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य है। जीएसटी कलेक्शन का भी आंकड़ा भी लगातार बढ़ रहा है। वित्त मंत्रालय की जानकारी के मुताबिक लगातार 6 महीने से जीएसटी कलेक्शन 1.4 लाख करोड़ रुपए के ऊपर आ रहा है। अगस्त में भी जीएसटी कलेक्शन जोरदार रहा और ये पिछले वर्ष के अगस्त महीने की तुलना में 28 प्रतिशत अधिक था। अगस्त 2022 में 1,43,612 करोड़ रुपए का जीएसटी कलेक्शन किया गया था। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि आर्थिक सुधारों के साथ बेहतर जीएसटी रिपोर्टिंग के कारण जीएसटी राजस्व में सकारात्मक वृद्धि हुई है।

इलेक्ट्रिक कारों से लंबी यात्रा होगी आसान, टाटा पावर ने स्थापित किए 450 से अधिक चार्जिंग प्वाइंट

नई दिल्ली ।

टाटा पावर ने देश में 350 से ज्यादा राष्ट्रीय राजमार्गों पर 450 से अधिक ईजेड ईवी चार्जिंग पॉइंट स्थापित किए हैं। कंपनी के ईजेड चार्जिंग पॉइंट अब जम्मू और कश्मीर को तमिलनाडु से जोड़ने वाले एनएच 44 समेत देश के सभी प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों पर मौजूद हैं। इसी तरह एनएच 19 पर भी चार्जिंग पॉइंट इंस्टॉल किए गए हैं, जो दिल्ली, यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड के साथ-साथ एनएच 65, एनएच 48, और एनएच 16 जैसे अन्य हाईवे को जोड़ता है। ये 450 से अधिक चार्जिंग पॉइंट होटल, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, कार डीलरशिप जैसी जगहों पर लगाए गए हैं, जो 25 से ज्यादा राज्यों और पांच केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं। इससे ईवी मालिकों को आसानी से चार्ज करने की सुविधा मिल सकेगी। टाटा पावर के एमडी और सीईओ प्रवीर सिन्हा ने कहा हम मानते हैं कि भारत का असली ईवी की मांग तब तेज होगी, जब न केवल शहरों और कस्बों में बल्कि, पूरे भारत के राज्यों को जोड़ने वाले प्रमुख राजमार्गों में ईवी चार्जिंग की सुविधा देंगे। कंपनी ने हाल ही में मुंबई में क्लीन एनर्जी सोर्स से

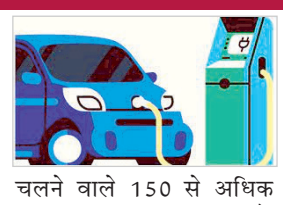

चलने वाले 150 से अधिक चार्जिंग पॉइंट स्थापित किए हैं। कंपनी की योजना वित्त वर्ष 23 तक 6,500 से अधिक चार्जिंग पॉइंट्स स्थापित करने की है। वर्तमान में इसके पास निजी उपयोग के लिए 21,000 प्लस होम चार्जर और 240 से अधिक इलेक्ट्रिक बस चार्जिंग पॉइंट्स का नेटवर्क है। इसके अतिरिक्त, 300 शहरों, कस्बों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर 2,400 से अधिक सार्वजनिक और अर्ध-सार्वजनिक चार्जर हैं।

शहरी क्षेत्रों में कंपनी प्रमुख आवासीय परिसरों, मॉल और पेट्रोल पंपों पर ईवी चार्जिंग पॉइंट स्थापित कर रही है। कंपनी का कहना है कि उसकी ईवी चार्जिंग पहल सरकार की राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन योजना के अनुरूप है। ईवी मालिक यात्रा करते समय टाटा पावर ईजेड चार्ज मोबाइल ऐप के जरिए नजदीकि चार्जिंग स्टेशनों का पता लगा सकते हैं। इससे देश के ई-मोबिलिटी ट्रांजिशन को पावर देने में मदद मिलती है। ऐप को अब तक एक लाख से ज्यादा लोग डाउनलोड कर चुके हैं।

अस्थिर बाजार के चलते म्यूचुअल फंड में गिरावट, पिछले 10 महीने में सबसे कम

-अगस्त में 6,120 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।

अस्थिर बाजार के कारण देश की बचत योजना म्यूचुअल फंड में निवेशकों का रुझान कम हो रहा है। दरअसल, घरेलू शेयर बाजार में अस्थिर माहौल के बीच म्यूचुअल फंड में अगस्त में 6,120 करोड़ रुपये का निवेश आया है। यह आंकड़ा पिछले 10 महीने में सबसे कम है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया यानी एम्फी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

हालांकि, इक्विटी म्यूचुअल फंड में सकारात्मक प्रवाह का यह लगातार 18वां महीना था लेकिन पिछले कुछ महीनों में निवेश की गति में गिरावट आई है। एम्फी द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में शुद्ध निवेश जुलाई के मुकाबले कम रहा। जुलाई में 8,898 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। यह आंकड़ा जून में 18,529 करोड़ रुपये और मई में 15,890 करोड़ रुपये था। अगस्त के महीने में अक्टूबर 2021 के बाद से सबसे कम निवेश देखा गया। तब इक्विटी म्यूचुअल फंड में 5,215 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। मार्च, 2021 से इक्विटी योजनाओं में शुद्ध निवेश का प्रवाह देखा जा रहा है। इससे पहले जुलाई, 2020 से फरवरी, 2021 तक इस तरह की योजनाओं में लगातार 8 महीनों के लिए निकासी देखने को मिली थी।

इस दौरान इन योजनाओं से कुल 46,791 करोड़ रुपये निकाले गए थे। बाजार में अस्थिरता बनी हुई है क्योंकि मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। इक्विटी के अलावा, डेट म्यूचुअल फंड में पिछले महीने 49,164 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो जुलाई में 4,930 करोड़ रुपये के निवेश से काफी अधिक है। कुल मिलाकर, म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने जुलाई में 23,605 करोड़ रुपये की तुलना में अगस्त में 65,077 करोड़ रुपये का शुद्ध प्रवाह दर्ज किया।

कॉम्पैक्ट सेडान कार अमेज की 5 लाख यूनिट्स बेची

- छोटे शहरों में लोगों को खूब पसंद

नई दिल्ली ।

कार बनाने वाली कंपनी होंडा कार्स इंडिया ने बताया कि उसने अपनी कॉम्पैक्ट सेडान कार अमेज की अब तक 5 लाख यूनिट्स की बिक्री कर ली है। होंडा ने करीब 9 साल में यह मुकाम हासिल किया है। होंडा कार्स इंडिया का कहना है कि उसने अपनी इस कार होंडा अमेज को खास तौर पर भारतीय बाजार को ध्यान में रखकर डेवलप किया है। कंपनी इसे राजस्थान के ताकपुरा स्थित प्लांट में बनाती है। होंडा इस कार को भारतीय बाजार में बेचने के साथ-साथ कई अन्य देशों में निर्यात भी करती है। होंडा कार्स इंडिया के प्रेसीडेंट एंड सीईओ ताकुया सुमुरा ने इस उपलब्धि पर कहा, 'होंडा अमेज के लिए 5 लाख यूनिट्स बेचने का माइल स्टोन हासिल करना हमारे लिए गौरव की बात है। हम अपने ब्रांड को प्यार देने और स्वीकार करने के लिए ग्राहकों के आभारी हैं। साथ ही लगातार सपोर्ट करने के लिए हम अपने पार्टनर्स के भी आभारी हैं।' सुमुरा ने आगे कहा, 'होंडा अमेज भारत में हमारे लिए रणनीतिक तौर पर अहम एंट्री मॉडल है और हमारे बिजनेस का आधार है।

बड़े और छोटे शहरों में एक साथ इसकी लोकप्रियता और स्वीकार्यता का बढ़ना इस बात का सबूत है कि न सिर्फ यह प्रीमियम सेडान कार ग्राहकों की जरूरतों पर खरा उतरती है, बल्कि उनकी उम्मीदों से बढ़कर साबित होती है।' सुमुरा ने कहा, 'यह हमारा प्रयास है कि हम ग्राहकों को शानदार कंफर्ट, सुरक्षा और मानसिक शांति के साथ अत्याधुनिक तकनीक व क्लास डिफाइनिंग प्रोडक्ट ऑफर करें।' कंपनी की ओर से कहा गया कि होंडा अमेज फिलहाल भारतीय बाजार में सेकेंड जेनरेशन वर्जन में उपलब्ध है।

मुख्य कोच राहुल द्रविड़ संजय मांजरेकर से बोले- 2 पराजय से खराब टीम नहीं बन जाती

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को यूंही भरोसेमंद नहीं कहा जाता एशिया कप में पराजय के बाद भी वे काफी संतुलित बयान के साथ बोल्ड अवतार में नजर आए। संजय मांजरेकर के साथ एक इंटरव्यू में द्रविड़ ने जोर देकर कहा कि टीम इस तरह की विफलताओं पर 'ओवररिएक्ट' नहीं करने की कोशिश करती है और सिर्फ दो हार के बाद वे 'एक खराब टीम' नहीं हो जाते हैं। एशिया कप 2022 में भारतीय टीम का आगाज शानदार रहा था। लीग स्टेज में भारत ने दोनों मैच जीते थे, लेकिन सुपर 4 राउंड में टीम इंडिया को लगातार 2 हार का सामना करना पड़ा था। सुपर 4 राउंड में मिली हार के बाद भारत एशिया कप से बाहर हो गया। टीम इंडिया ने गुरुवार को अफगानिस्तान पर जीत के साथ 2022 एशिया कप अभियान का अंत किया। टीम ने अफगानिस्तान पर 101 रन की बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 61 गेंदों पर नाबाद 122 रनों के साथ शतक के इंतजार को समाप्त किया। विराट की यह टी20 इंटरनेशनल में पहली सेंचुरी थी। इसके साथ ही तीनों फॉर्मेट में यह उनका 71वां शतक था। केएल राहुल ने भी 40 गेंदों में 62 रन की पारी खेली। इस मैच में रोहित शर्मा को आराम दिया गया था।

एशिया कप की विजेता बनने आज आमने-सामने होगी श्रीलंका और पाकिस्तान

श्रीलंका ने अपने प्रदर्शन से सभी को चौंकाया

दुबई। एशिया कप का फाइनल रविवार श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच होगा। दासुन शनाका की अगुवाई वाली टीम यदि अपने घरेलू मैदान पर फाइनल खेल रही होती, तब उसके लिए यह सुखद क्षण होता। लेकिन सुपर चार में उसके प्रदर्शन को देखकर कहा जा सकता है, कि बाबर आजम की अगुवाई वाली पाकिस्तानी टीम के लिए चुनौती किसी भी तरह से आसान नहीं होगी। केवल इतना हीं नहीं श्रीलंका ने फाइनल के अपने प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ सुपर चार के अंतिम मैच में आसान जीत दर्ज की। इससे उसकी टीम फाइनल में बढ़े मनोबल के साथ उतरेगी। लेकिन दुबई में पाकिस्तानी दर्शकों का अपार समर्थन मिलने की संभावना है। इसके बाद कप्तान बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद नवाज और नसीम शाह जैसे खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करने वाले है। पाकिस्तान के सामने श्रीलंका की ऐसी टीम होगी जो अपनी क्रिकेट को पुनर्जीवित करने की कवायद में लगी है। वह एक इसतरह के प्रारूप में अपनी छाप छोड़ना चाहती है, जिसमें वह 2014 में विश्व चैंपियन बनी थी। श्रीलंका की क्रिकेट को पिछले कुछ समय से खराब चयन और बोर्ड के अंदर की राजनीति से जूझना पड़ा लेकिन अब उसके खिलाड़ियों ने टी20 क्रिकेट में अपना रवैया बदलकर आक्रामकता जोड़ दी है। दुशमंत चमीरा जैसे अनुभवी गेंदबाज की अनुपस्थिति के बावजूद श्रीलंकाई आक्रमण मजबूत नजर आता है, जबकि बल्लेबाजी में उसके पास कुसाल मेंडिस और पाथुम निसांका दो शानदार सलामी बल्लेबाज हैं। दनुष्का गुणतिलका, भानुका राजपक्षे, शनाका और चमकात्ने करुणारत्ने ने भी उपयोगी योगदान दिया है। एशिया कप के पांच मैचों में अब तक श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने 28 छक्के और 62 चौके लगाए हैं जिससे उनके आक्रामक रवैये का पता चलता है। गेंदबाजी में महेश तीक्षणा और वानिंदु हसरंगा ने स्पिन विभाग को बखूबी संभाला है, जबकि दिलशान मधुशंका ने मुख्य तेज गेंदबाज की जिम्मेदारी काफी सराहनीय रूप से निभाई है। इसके विपरीत पाकिस्तान अपने कप्तान और सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बाबर की फॉर्म को लेकर चिंतित है जिन्होंने अब तक पांच मैचों में केवल 63 रन बनाए हैं। वह फाइनल में निश्चित तौर पर बड़ी पारी खेलने की कोशिश करे। गेंदबाजी अभी पाकिस्तान का मजबूत पक्ष नजर आता है। नसीम शाह के खेल में लगातार सुधार हो रहा है, जबकि हारिस रऊफ और मोहम्मद हसनैन भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उसके दोनों स्पिनर लेग ब्रेक गेंदबाज शादाब खान और बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

एरॉन फिंच ने की एक दिवसीय मैचों से संन्यास लेने की घोषणा

नई दिल्ली ।

सीमित ओवरों के प्रारूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम की अगुवाई करने वाले 35 वर्षीय अनुभवी बल्लेबाज एरॉन फिंच ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच से संन्यास ले लिया है। आगामी 11 सितंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला जाने वाला तीसरा एकदिवसीय मुकाबला उनके क्रिकेट करियर का आखिरी एकदिवसीय मुकाबला होगा। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने यह अहम फैसला अपनी लगातार गिरते परफॉर्मेंस की वजह से लिया है। उल्लेखनीय है कि एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में फिंच का बल्ला पिछले काफी समय से खामोश चल रहा है। वह विपक्षी टीम के खिलाफ रनों के लिए जूझते नजर आ रहे थे। वह पिछले सात एकदिवसीय पारियों में महज 26 ही रन ही बना पाए थे। हालांकि फिंच इसके बावजूद आगामी आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम की अगुवाई करते नजर आएंगे। स्टार बल्लेबाज ने अपने एक बयान में कहा कि अब समय आ गया है, एक नए कप्तान को अगले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी करने और जीतने का मौका देने का। उन्होंने कहा कि यह बेहतरीन अनुभवों के साथ एक शानदार सफर रहा। मैं कुछ शानदार वनडे टीमों का हिस्सा बनने के लिए भाग्यशाली रहा। समान रूप से, मुझे उन सभी का आशीर्वाद मिला है जिनके साथ मैंने खेला है और कई लोग पर्दे के पीछे हैं। मैं उन सभी का शुक्रिया अदा करता हूं जिन्होंने मेरा इस सफर में साथ दिया। एरॉन फिंच ने ऑस्ट्रेलिया के लिए अब तक कुल 145 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 141 पारियों में 87.8 की स्ट्राइक रेट से 5401 रन निकले। फिंच के नाम एकदिवसीय क्रिकेट में 17 शतक और 30 अर्द्धशतक दर्ज है।

युवराज संधू ने जम्मू कश्मीर ओपन में चार शॉट की मजबूत बढ़त बनाई

जम्मू । युवराज सिंह संधू यहां जम्मू-कश्मीर ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर में सात-अंडर 65 के शानदार स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए। टूर्नामेंट के अब तक के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ उन्होंने चार-शॉट की बढ़त हासिल कर अपना दबदबा बनाया। पीजीटीआई में तीन बार के विजेता चंडीगढ़ के संधू (69-70-65) का तीसरे दिन के खेल के बाद कुल स्कोर 12-अंडर 204 था। उनके सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी खलिन जोशी (70-68-70) का स्कोर आठ अंडर 208 है। हैदराबाद के मोहम्मद अजहर (70) और गुरुग्राम के वीर अहलावत (72) दो अंडर 214 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर है। प्रमुख खिलाडियों में मनु गंडास दो ओवर 218 के स्कोर के साथ नौवें, राशिद खान चार ओवर 220 के स्कोर के साथ 14वें, उदयन माने छह ओवर 222 के स्कोर के साथ 23वें और मौजूदा चैम्पियन हनी बैसोया आठ ओवर 224 के स्कोर के साथ 30वें स्थान पर है।

US Open Final : कार्लोस अल्कारज और कैस्पर रूड आमने-सामने, जो जीतेगा बनेगा नंबर 1

न्यूयॉर्क :

स्पेन के युवा सनसनी टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कारज ने सेमीफाइनल में अमरीका के फांसेस टियाफो को हराकर यूएस ओपन फाइनल में कैस्पर रूड के साथ मुकाबला सुनिश्चित किया। 19 वर्षीय अल्काराज ने शुक्रवार को चार घंटे 19 मिनट चले मैच में टियाफो को 6-7(6), 6-3, 6-1, 6-7(5), 6-3 से मात देकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बनाई। अल्काराज ओपन युग में अमरीकी दिग्गज पीट सेम्प्रास के बाद यूएस ओपन फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे किशोर हैं। अल्काराज ने जीत के बाद कहा- एक ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में आपको सब कुछ झोंक देना होता है। हमें आखिरी बॉल तक लडना होता है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि हम 5 घंटे लड़ रहे हैं या छह घंटे। फ्रांसेस ने कोर्ट पर अपना सब कुछ दिया। यह अद्भुत है। तृतीय सीड अल्काराज का सामना फाइनल में नॉर्वे के 5वीं सीड कैस्पर रूड से होगा जो कारेन खचानोव को 7-6(5), 6-2, 5-7, 6-2 से हराकर आ रहे हैं। अल्काराज की तरह रूड ने भी अब तक कोई ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीता है। दोनों खिलाड़ी एटीपी रैंकिंग में नंबर एक की दौड़ के दावेदार हैं, और फाइनल जीतने वाला खिलाड़ी साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम खिताब के साथ-साथ शीर्ष रैंकिंग भी हासिल करेगा। यदि 19 वर्षीय अल्काराज न्यूयॉर्क में ट्रॉफी उठाते हैं तो वह 1973 के बाद एटीपी रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन जाएंगे। अल्काराज ने फाइनल के बारे में कहा- बड़ी चीजों के लिए लड़ने में सक्षम होना आश्चर्यजनक है। मैं पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचा हूं। मुझे अब एक अविश्वसनीय खिलाड़ी (रूड) का भी सामना करना है। वह फाइनल खेलने के हकदार हैं। उन्होंने रोलां गैरो में भी एक ग्रैंड स्लैम फाइनल खेला। रूड को रोलां गैरो के फाइनल में अल्काराज के हमवतन और 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल के हाथों शिकस्त मिली थी। यदि रूड रविवार को होने वाले फाइनल में अल्काराज को मात देते हैं तो वह नंबर एक रैंकिंग हासिल करने वाले नॉर्वे के पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। 23 वर्षीय रूड इस आयोजन से पहले कभी भी यूएस ओपन के तीसरे दौर को पार नहीं कर सके थे, लेकिन इस साल वह शानदार फॉर्म के साथ खिताब जीतने के प्रबल दावेदार हैं। रूड ने फाइनल में कदम रखने के बाद कहा, 'रोलां गैरो के बाद मैं बेहद खुश था लेकिन मैंने यह सोचकर भी संतोष किया था कि यह मेरे करियर का एकमात्र ग्रैंड स्लैम फाइनल हो सकता है। यह आसान नहीं होता है, लेकिन यहां मैं कुछ महीनों बाद फिर से ग्रैंड स्लैम फाइनल में वापस आ गया हूं। अल्काराज और रूड के बीच फाइनल मैच भारतीय समयानुसार सोमवार 12 सितंबर, देर रात 01:30 बजे आर्थर ऐश स्टेडियम में खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

यूएस ओपन 2022 का लुत्फ उठते दिखाई दिए कपिल पाजी और धोनी

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव और महेंद्र सिंह धोनी इन दिनों अमेरिका में हैं। दोनों की टेनिस में भी दिलचस्पी है, इसकारण दोनों यूएस ओपन 2022 का लुत्फ उठा रहे हैं। धोनी को देखते ही फैंस खुश हुए और शोर मचाने लगे। धोनी ने हाथ हिलाकर फैंस का अभिवादन स्वीकार किया। दरअसल, न्यूयॉर्क में यूएस ओपन 2022 जारी है। टूर्नामेंट में एक ओर खिलाड़ी कोर्ट पर अपने शानदार प्रदर्शन के जरिये सुर्खियां बटोर रहे, तब दूसरी ओर कई जानी मानी हस्तियां मुकाबला देखने पहुंच रही हैं। धोनी और कपिल देव के साथ मशहूर शेफ विकास खन्ना भी नजर आए। वीडियो यूएस ओपन के ब्रॉडकास्टर की ओर से भी सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है। वीडियो के कैप्शन में लिखा गया, 'यूएस में भारतीय क्रिकेट रॉयल्टी। दो पूर्व भारतीय विश्व कप विजेता कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और कपिल देव ने ऑर्थर-ऐश में स्टैंड की शोभा बढ़ाई। कपिल देव की कप्तानी में भारतीय टीम ने साल 1983 में पहली बार वर्ल्ड कप जीता था। इसके बाद में 2011 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने श्रीलंका को हराकर वनडे वर्ल्ड कप पर कब्जा जमाया था। धोनी की कप्तानी में भारत ने 2007 में टी20 वर्ल्ड कप भी जीता।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए पीसीबी ने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज मैथ्यू हेडन को मेंटार नियुक्त किया

इस्लामाबाद । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने घोषणा की है कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन आगामी टी20 विश्व कप के लिए मेंटॉर के रूप में पाकिस्तान की मेन्स क्रिकेट टीम में शामिल होंगे। 50 वर्षीय हेडन ने पिछले साल के टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की टीम के बल्लेबाजी सलाहकार के रूप में काम किया था। पाकिस्तान पिछले साल टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंचने में सफल हुआ था। पीसीबी के सीईओ रमीज राजा ने कहा, मैं मैथ्यू हेडन का पाकिस्तान के साथ वापस आने का स्वागत करता हूं। मुझे विश्वास है कि उनके शामिल होने से हम टी20 विश्व कप में मजबूत दावेदारी पेश करेंगे। रमीज ने आगे कहा मैं बैंक अल फलाह का आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने एक बार फिर इस नियुक्ति पर हमारे साथ भागीदारी की। हेडन ने अपनी नियुक्ति पर कहा मैं ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान टीम के साथ फिर से जुड़कर बेहद उत्साहित हूं।। मैंने देखा है कि पाकिस्तान एशिया कप में कैसा प्रदर्शन कर रहा है और पाकिस्तान की भारत पर रविवार की जीत शानदार थी। मैं पाकिस्तान के ड्रेसिंग रूम में वापस आने के लिए बेहद उत्साहित हूं। पीसीबी ने कहा है कि हेडन 15 अक्टूबर को ब्रिसबेन में टीम से जुड़ेंगे। इसी दिन पाकिस्तान की टीम क्राइस्टचर्च से ब्रिसबेन पहुंचेगी। विश्वकप से पहले पाकिस्तान एक टी-20 सीरीज में भाग लेगा जिसमें बांग्लादेश और मेजबान न्यूजीलैंड की टीम भी खेलेंगी। वहीं, टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 16 अक्टूबर से हो रही है।

एशिया कप में लगातार प्रयोग करती रही टीम इंडिया, नहीं मिला रवींद्र जडेजा का भरोसेमंद विकल्प

नई दिल्ली ।

एशिया कप 2022 सीजन में भारतीय क्रिकेट टीम का बहुत बुरा हाल हुआ है। टीम ने ग्रुप स्टेज में तो अपने सभी दोनों मैच जीत लिए हैं, लेकिन सुपर-4 स्टेज में पाकिस्तान और श्रीलंका से हार झेलनी पड़ी। इस कारण रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम फाइनल में नहीं पहुंच सकी। टीम इंडिया इस एशिया कप में लगातार एक्सपेरिमेंट करती रही। ओपनिंग में विराट कोहली को आजमाया। जबकि मिडिल ऑर्डर में ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक को अंदर-बाहर करते रहे। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की चोट ने टीम को ज्यादा परेशान किया। उनका विकल्प तक टीम को नहीं मिल सका। हालांकि जडेजा वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं, यह अब तक स्पष्ट नहीं है। भारतीय टीम को अब ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज खेलना है। इसके बाद टी20 वर्ल्ड कप में उतरेगी। ऐसे में फैन्स के मन में अब भी यह सवाल उठ रहा है कि क्या भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ मिडिल ऑर्डर को मजबूत करने के लिए ऑस्ट्रेलिया-अफ्रीका सीरीज में भी एक्सपेरिमेंट जारी रखेंगे। इसी सवाल का जवाब चेतेश्वर पुजारा और रोबिन उथप्पा ने दिया है। पुजारा ने कहा मुझे लगता है कि टीम इंडिया में अब भी नंबर-5 और नंबर-7 पोजिशन के लिए स्थिति साफ नहीं है। टीम इंडिया को अपना मिडिल ऑर्डर मजबूत करने के लिए ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका सीरीज में ऑप्शन ढूंढना ही होगा। पुजारा के जवाब पर उथप्पा ने कहा टीम मैनेजमेंट मिडिल ऑर्डर की समस्या का समाधान तलाशने के लिए आने वाली सीरीज में एक्सपेरिमेंट जारी रख सकती है। हालांकि मैं यह मानता हूं कि नंबर-5 पर दीपक हुड्डा मजबूत दावेदार हैं। संजू सैमसन भी एक ऑप्शन हो सकते हैं। साथ ही रवींद्र जडेजा के ऑप्शन के तौर पर अक्षर पटेल को लिया जा सकता है। मगर यह भी देखना होगा कि टीम मैनेजमेंट का क्या नजरिया है। चेतेश्वर पुजारा ने पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली की भी तारीफ की। पुजारा ने कहा कोहली फॉर्म में आ गए हैं। उन्होंने जो टी20 में शतक लगाया है, इसका असर दूसरे फॉर्मेट में भी देखने को मिलेगा। पुजारा ने कहा विराट कोहली काफी समय से इसी शतक की तलाश में थे और कड़ी मेहनत कर रहे थे। आखिरकार उन्हें इसका फल मिल गया। अब इसका असर दूसरे फॉर्मेट (वनडे, टेस्ट) में भी देखने को मिलेगा। इसमें कोहली एक अलग ही कॉन्फिडेंस के साथ खेलते दिखाई देंगे। बता दें कि अब ऑस्ट्रेलिया टीम को भारत दौरे पर आना है। यहां दोनों टीम के बीच 20 सितंबर से तीन टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्पर्धा में भारत के 3 सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों ने शतक बनाया

नई दिल्ली । प्रतिष्ठित एशिया कप-2022 स्पर्धा में हर खिलाड़ी एक अलग ही अंदाज में नजर आ रहे हैं। आखिरी के ओवरों में तो बल्लेबाजों का अलग ही रूप देखने को मिल रहा है। टीम को अगर पर गेंद पर दुगने रन भी बनाने पड़ रहे हैं तो बल्लेबाज वो रन आसानी से बना दे रहे हैं। भारतीय बल्लेबाजों का भी जारी टूर्नामेंट में उम्दा प्रदर्शन दिखा, लेकिन सुपर फोर राउंड के दो अहम मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा। इस हार की वजह से ही टीम का फाइनल में पहुंचने का भी सपना चकनाचूर हो गया। सुपर फोर राउंड के आखिरी मुकाबले में भारतीय अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला जमकर चला। उन्होंने इस मुकाबले में अफगान टीम के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अपने क्रिकेट करियर का 71वां शतक जड़ा। इस शतक के साथ ही उन्होंने कई बड़े रिकॉर्ड बनाए। मैच के दौरान उन्होंने एक खास उपलब्धि भी हासिल की। दरअसल वह देश के लिए टी20 क्रिकेट में शतक जड़ने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। बात करें भारतीय टीम के लिए टी20 क्रिकेट में सबसे उम्रदराज तीन खिलाड़ियों के बारे में जिन्होंने शतक जड़ा है, तो उनके नाम इस प्रकार हैं। भारत के लिए टी20 क्रिकेट में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी के रूप में शतक जड़ने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम दर्ज हो गया है। कोहली ने आठ सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ 33 साल 307 दिनों में अपने टी20 करियर का पहला शतक जड़ा। इस दौरान वह पारी की शुरुआत करते हुए 61 गेंद में 200.00 की स्ट्राइक रेट से नाबाद 122 रन बनाने में कामयाब रहे। दूसरे स्थान पर 360 डिग्री खिलाड़ी के रूप में विख्यात सूर्यकुमार यादव का नाम आता है। यादव ने 31 साल और 299 दिनों की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में शतक जड़ा था। इस मुकाबले में वह 55 गेंदों में 117 रन बनाने में कामयाब रहे। इस दौरान उनके बल्ले से 14 चौके और छह छक्के निकले थे। तीसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी के रूप में शतक जड़ने का रिकॉर्ड कैप्टन रोहित शर्मा के नाम दर्ज है। शर्मा ने साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ लखनऊ में 31 साल और 190 दिनों की उम्र में शतक लगाया था।

पहलवान दहिया की नजरें विश्व चैंपियनशिप पर लगीं

नई दिल्ली । ओलंपिक रजत पदक विजेता पहलवान रवि दहिया का लक्ष्य अब आगामी विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। दहिया अभी 10 सितंबर से बेलग्रेड में शुरू होने वाले विश्व चैम्पियनशिप की तैयारियों के लिए रूस में रह रहे हैं। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाले रवि ने कहा, ' एक खिलाड़ी के रूप में मेरे जीवन का एकमात्र लक्ष्य अपने देश का नाम रोशन करना है। मेरा तात्कालिक लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। रवि रुस में स्थानीय पहलवानों और कोच के साथ व्लादिकावकाज अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे हैं। यह वही स्थान जहां ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता जौरबेक सिदाकोव प्रशिक्षण लेते रहे हैं। पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक विजेता चुके रवि ने कहा, 'मेरे लिए मेरे प्रशंसकों की उम्मीदें वास्तव में उनका मेरे प्रति प्यार और समर्थन है। मुझे इससे और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है हालांकि मेरे पर किसी भी प्रकार का कोई दबाव नहीं है।

नेहरा ने टी20 विश्व कप 2022 के लिए चुनी अपनी टीम

केएल राहुल और रवि अश्विन को दिया टीम में मौका

नई दिल्ली । आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 टीम के चयन में सिर्फ एक सप्ताह का समय रह गया है। इसके बाद पहले से ही सवाल उठ रहे हैं, कि कौन जगह बनाएगा और कौन बाहर होगा। क्या केएल राहुल को चुना जाएगा? क्या मोहम्मद शमी के पास टी20 टीम में आने का मौका है? क्या दीपक चाहर डील को सील कर सकते हैं? ये सभी सवाल तब भी बने रहे हैं, जब भारत लगातार दो गेम हारने के बाद एशिया कप 2022 से बाहर हो गया। हालांकि, कई पूर्व और दिग्गज खिलाड़ी इस मामले पर अपनी-अपनी राय दे रहे हैं। भारत के पूर्व क्रिकेटर आशीष नेहरा ने अपनी 15 सदस्यीय टीम चुनी है। उन्होंने सलामी बल्लेबाजों को चुनकर शुरुआत कर स्पष्ट कर दिया कि वह केएल राहुल को सबसे छोटे प्रारूप में अपनी धीमी बल्लेबाजी के बाद भी शीर्ष पर देखना चाहते हैं। अपने चयन को सही ठहराने के लिए पूछने पर उन्होंने कहा, जहां तक टी20 विश्व कप का सवाल है, तब हमें अभी लंबा सफर तय करना है, इसलिए मुझे लगता है कि हम अगले छह मैचों में केएल राहुल से काफी कुछ देख सकते हैं। दूसरे सलामी बल्लेबाज कप्तान रोहित शर्मा थे,इसके बाद विराट कोहली तीसरे नंबर पर थे। कोहली का एशिया कप का सफर शानदार रहा, जहां उन्होंने दो अर्द्धशतक और एक शतक बनाया। फिर उन्होंने मध्य क्रम में सूर्यकुमार यादव को एक निश्चित पिक के रूप में नामित किया। नेहरा ने कहा, सूर्यकुमार यादव को इलेवन में होना चाहिए, क्योंकि तब आपके पास ऋषभ पंत का विकल्प होता है। आप दोनों को 4 या 5 पर स्वैप कर सकते हैं.। इसके बाद 5 और 6 नंबर पर हार्दिक पांड्या और रवींद्र जडेजा का नाम लिया। हालांकि, जडेजा अब घुटने की चोट से जूझ रहे हैं, उनका चयन मुश्किल लग रहा है। स्पिनर्स के बारे में बात करते हुए नेहरा ने कहा, चहल और जडेजा ही नहीं, रवि अश्विन भी अहम हैं। यहां तक कि अगर वह खेलते हैं, तब वह प्रभाव डाल सकते हैं। इसके बाद उन्होंने अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल और जसप्रीत बुमराह में अपने चार तेज गेंदबाजों का नाम लिया।

नेहरा की 15 सदस्यीय भारतीय टीम: रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, रविचंद्रन अश्विन, दिनेश कार्तिक, जसप्रीत बुमराह, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, दीपक हुड्डा।

फ्रांस के पार्स डेस प्रिंसेस स्टेडियम में फ्रेंच लीग महिला फुटबॉल मैच के दौरान गेंद छीनने का प्रयास करतीं पेरिस सेंट-जर्मेन की कादिदियातो डियानी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अगर बच्चा होमवर्क न करे तो करें बातचीत

अभिभावकों को अक्सर लगता है कि बच्चे स्कूल में अच्छा करें यह उनकी भी जिम्मेदारी बनती है। यह जिम्मेदारी चिंता में तब्दील हो जाती है। आपके विचार बच्चे के बिगड़ते भविष्य तक भी पहुंच जाते हैं। और ऐसा न हो इसके लिए सही तरीके से किया गया होमवर्क पहला कदम नजर आने लगता है।

इस कारण आप बच्चे को बार बार होमवर्क करने के लिए कहते हैं। उसकी नोटबुक देखकर जानने की कोशिश करते हैं आखिर आज का काम क्या है। कुछ समझ आता है कुछ नहीं समझ पाते। जानिए आखिर कैसे आप बच्चे को करा सकते हैं होमवर्क आसानी से और डाल सकते हैं उनके कुछ बहुत अच्छी आदतें डालें।

बच्चे के साथ बैठिए

अपने बच्चे के साथ बैठिए और उसके साथ अपनी आगे आने वाले साल के विषय में बातचीत कीजिए। बेहतर होगा एकेडिमिक ईयर की शुरूआत में ही प्लान बन जाए ताकि आपके और बच्चे के पास भरपूर वक्त और मौका रहे। ऐसी इच्छाएं ही रखिए जो हो सकती हैं। जरूरत से अधिक अपेक्षाएं बच्चे पर अतिरिक्त मानसिक बोझ डाल सकती हैं। अपने बच्चे के कमजोर क्षेत्रों को पहचानें। उसका पिछले साल का रिपोर्ट कार्ड और उसका अनुभव इसमें आपकी मदद करेगा। इस हिस्से पर आपको और बच्चे को अधिक काम करना है।

दिन के घंटे बांटिए आपके बच्चे की पिछले साल भी कुछ दिनचर्या रही होगी। इस बार टाइमटेबल में उन गल्तियों को जगह न दें जो पिछले साल परेशानी का कारण बन गईं थीं। हो सकता है पिछले साल बच्चे का सोने और होमवर्क का समय एक ही हो ऐसे में टीवी के टाइम में कटौती कर थोड़ा पहले होमवर्क करना समझदारीभर होगा।

होमवर्क को रोचक बनाने की कोशिश करें क्या आपका बच्चा पढ़ने से जी चुराता है? ऐसे में आप दूसरे बच्चों के उदाहरण दे देकर उसे इंस्पायर करने की कोशिश करने में उसके मन में जलन और असुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। बच्चा न पढ़ने के बहाने ढूंढ़ने लगता है। बच्चे को दूसरे बच्चे के उदाहरण देने के बदले, पढ़ाई को खेल खेल में सिखाने की कोशिश करें। ऐसे नए तरीके खोजने की कोशिश करें जिसमें बच्चे का मन लगे। आप अपने बच्चे को सबसे बेहतर जानते हैं और आप ही उसकी पसंद की एक्टिविटी आसानी से खोज सकते हैं।

होमवर्क प्लान का आंकलन करें एकेडमिक ईयर की शुरूआत में बनाया गया प्लान हो सकता है सही न हो। इस समस्या के उपाय के तौर पर बीच बीच में इस प्लान का मूल्यांकन करें। अपने बच्चे से सलाह मशवरा करें और अगर जरूरी लगता है तो इसमें बदलाव अवश्य करें।

बच्चों को भी काम की अधिकता इतनी होती है कि अगर सही टाइमटेबल मैंटेन नहीं किया जाए तो काम इकट्ठा हो जाता है और समस्या बहुत बढ़ जाती है। होमवर्क सही तरीके से होता रहे इसके लिए जरूरी है कि आप टाइमटेबल फॉलो होने पर ध्यान दें।6. स्कूल के बाद दें आधे घंटे का ब्रेक स्कूल से लौटने के बाद बच्चे को आधे घंटे का ब्रेक दें। इस दौरान बच्चा न तो टीवी देखें, न इमेल चेक करें और न हीं वीडियों गेम्स खेलना शुरू करे। अगर बच्चा इन सब में लग जाता है तो वह आधे घंटे के बाद उठने से रहा। बजाय रात में होमवर्क के बच्चे को दिन में अधिकतर काम निपटा लेने के लिए प्रेरित करें। रात में घर के सभी सदस्य घर पर होने से बच्चे का मन टीवी और सभी के साथ बैठने का रहता है। ऐसे में अकेले बैठकर पढ़ना मुश्किल काम है।

बच्चों को ज़िम्मेदार भी बनाते हैं पेट्स

आजकल एकल परिवार हैं। ऐसे में बढ़ती महंगाई और खर्चों के कारण अब माता-पिता दोनों काम करते हैं और इस कारण उन्हें ज्यादातर समय घर से बाहर ही रहना पड़ता है। ऐसे में देखा गया है कि बच्चे, विशेषकर अकेला बच्चा, खुद को अकेला और उपेक्षित महसूस करता है। ज्यादातर मामलों में अभिभावक अपने बच्चों के साथी के तौर पर पालतू जानवरों पसंदीदा (पेट्स) को रखते हैं।

एक पालतू जानवर बच्चे के भाई-दोस्त या परिवार के सदस्य की जगह नहीं ले सकता, पर यह बच्चे के खालीपन को जरूर भर सकता है। बच्चा इनके साथ खेलते हुए कई चीजें सीखता है।

ज्यादातर अभिभावक अपने बच्चों को मजबूत बनना सिखाते हैं। लेकिन जब एक बच्चा घर में किसी पेट्स के साथ बड़ा होता है तो वह ज्यादा संवेदनशील होना सीखता है। वह इनके बीमार होने पर दर्द समझता है।

पेट्स के साथ वक्त बिताने का एक अन्य फायदा यह होता है कि बच्चे ज्यादा सतर्क रहना सीख जाते हैं। वह जान जाते हैं कि कब उसे भूख लगी है।

पालतू जानवरों की देखभाल करते वक्त केयरिंग, संवेदनशील और चौकन्ना रहने की जरूरत होती है और पेट्स के साथ वक्त बिताते हुए बच्चे कम उम्र में ही इन खूबियों को अपने अंदर ढाल लेते हैं।

पेट्स के साथ बड़े होने का एक अन्य फायदा है कि इससे बच्चे जिम्मेदार बनना सीखते हैं।

पेट्स का साथ बच्चों को जिम्मेदार बनना सिखाता है क्योंकि वह अपने प्यारे पेट्स की सभी जरूरतों का ख्याल रखते हैं। यदि बच्चे को उसके पेट्स के खाने, घुमाने और डॉक्टर का अपॉइंटमेंट लेने जैसी जिम्मेदारी दे दी जाएं, तो वह अपने काम को सही तरीके से अंजाम देते हैं।

बच्चों को जिंदगी और मौत की अवधारणा के बारे में समझाना बहुत मुश्किल होता है। पेट्स के साथ रखकर उन्हें जिंदगी और मौत के चक्र के बारे में बताया जा सकता है।

एक अभिभावक होने के नाते आप अपने पालतू जानवर के जीवन का हर पड़ाव देखते हैं। आप उसके बचपन से लेकर उसे बड़ा होते हुए और फिर वृद्धावस्था में जाने के बाद उसकी मृत्यु को भी देखते हैं। उनकी यह जिंदगी और मौत हमें इंसान के जीवन के पूरे चक्र के बारे में बताते हैं।

अपने साथ पेट्स को रखना अपने अच्छे दोस्त को घर पर रखने जैसा होता है। घर में रहने वाला पेट्स न सिर्फ घर में सभी के लिए तनाव दूर करने वाला बनता है बल्कि आपके बच्चों को रचनात्मक रूप से व्यस्त भी रखता है। पेट्स की देखभाल करते हुए बच्चे दयालु, निस्वार्थ, केयरिंग और जिम्मेदार बनना सीखते है। घर में रहने वाले पेट्स आपके बच्चे को सही और आसान तरीके से बेहतर इंसान बनने में मदद करते हैं।

बच्चों को लिखना ऐसे सिखायें

लिखना भी एक कला है, लेकिन बच्चों को लिखना सिखाना तो यह और भी बड़ी कला है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। बहुत से माता-पिता को यह समस्या होती है कि बच्चों को लिखना कैसे सिखाया जाए? जिस प्रकार बच्चों को पढ़ाने के लिए लगातार अभ्यास कराना पड़ता है, उसी प्रकार लिखने का भी निरन्तर प्रयास कराना आवश्यक है। पढ़ने की तुलना में लिखना ज्यादा कठिन है। ऐसा देखा गया है कि जो जल्दी पढ़ना सीख जाते हैं वे लिखना देर से सीखते हैं। कुछ बच्चों को पढ़ना-लिखना साथ-साथ सिखाया जाता है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है।

यदि बच्चे ने मेहनत करके लिखा है तो बड़ों को चाहिए कि वह उसे देखें तथा उन्हें पढ़ कर सुनाने के लिए कहें। समान्यत- बच्चे वही लिखते हैं, जो सरल पाते हैं। बच्चे लिखने-पढ़ने में जल्दबाज़ी नहीं करते। कुछ बच्चे लिखना पढ़ना एक साथ सीख जाते हैं। प्रारम्भ में बच्चों को लिखने की शिक्षा माता-पिता तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों द्वारा घर पर ही दी जाती है। बाद में जब बच्चा स्कूल जाने लगता है तो यह ज़िम्मेदारी शिक्षकों पर आ जाती है, लेकिन स्कूल जाना प्रारम्भ करने के बाद भी माता-पिता की ज़िम्मेदारी बनी ही रहती है कि बच्चा स्पष्ट व सुंदर लिखे।

शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को सर्वप्रथम छपे हुए अलग-अलग वर्णमाला पढ़ना सिखाना चाहिए, जिससे अक्षरों को पढ़ने व पहचानने की क्षमता जागृत हो। आमतौर पर वे बेहद एकाग्र होकर कसकर पैंसिल पकड़ कर लिखते हैं, जिससे उनकी आंखों पर जोर पड़ने की सम्भावना होती है। परिणामस्वरूप शीघ्र ही उसे चश्मा पहनना पड़ता है। माता-पिता को बच्चों की इस आदत पर नियंत्रण प्रारम्भ से ही रखना चाहिए।

आज की पीढ़ी में देखा गया है कि बच्चे काफी कम उम्र में लिखने-पढ़ने के प्रति रुचि दिखाने लगते हैं। विशेषकर दूरदर्शन, रेडियो आदि के प्रभाव से जल्द समझदार हो जाते हैं। उनमें बड़ों को देख कर लिखने की इच्छा जागती है। वे अपना, अपने मित्रों तथा माता-पिता का नाम लिखने का प्रयास करते हैं। माता-पिता या बड़ों को चाहिए कि वे ऐसे मौके का पूरा फायदा उठाएं, बच्चों में सही व सुन्दर लिखने को प्रोत्साहित करें। सीखने की रुचि बच्चों में स्वयं ही होती है। अत- वह बड़ों के कहने को बहुत ही गम्भीरता से लेते हैं, जिससे उनके लिखने की योग्यता विकसित होती है।

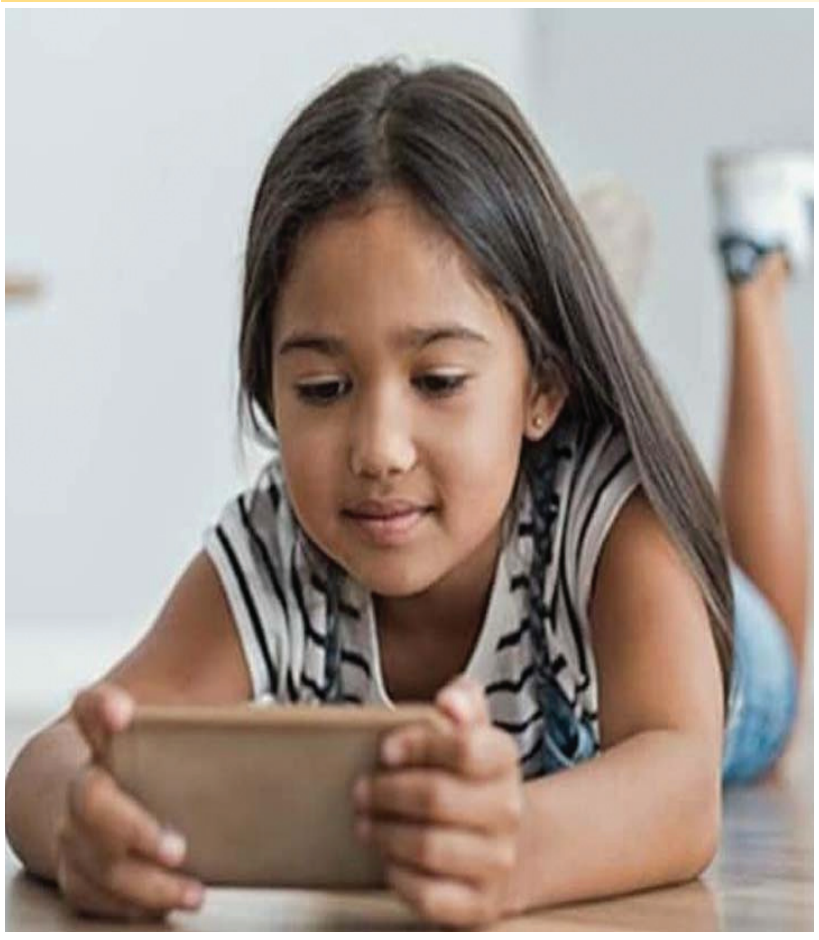

सेल्फी की आदत से बच्चों को दूर रखें

आजकल मोबाइल की पहुंच बच्चों ओर किशोरों तक भी है और वह भी सेल्फी लेने लगे हैं। वहीं इससे लगातार हादसे के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में बच्चों को इस आदत से दूर रखना अभिभावकों का काम है। वहीं विशेषज्ञों के अनुसार हम एक ऐसे युग में रहते हैं जहां मोबाइल फोन हमारे जीवन में प्रवेश कर चुका है और वास्तविक मानवीय संपर्क लगभग न के बराबर है हालांकि प्रौद्योगिकी ने सभी के लिए जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर समस्या भी है। पिछले दो वर्षो में दुनिया भर में सेल्फी का बुखार बढ़ा है। सेल्फी को दुनिया भर में बड़ी संख्या में मृत्यु दर और महत्वपूर्ण बीमारी से जोड़ा गया है।

इस डिजिटल युग में, अच्छे स्वास्थ्य के लिए तकनीक का इस्तेमाल जरुरत से ज्यादा न हो। हम में से बहुत से लोग ऐसे उपकरणों के गुलाम बन गए हैं जो वास्तव में हमें फ्री टाइम देने और जीवन को बेहतर तरीके से अनुभव करने तथा लोगों के साथ अधिक समय बिताने के लिए बनाये गये थे। जब तक जल्द से जल्द एहतियाती उपाय नहीं किए जाते, यह लत लंबी अवधि में किसी के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकती है।

मोबाइल फोन के अधिक उपयोग के कारण होने वाली समस्याओं को अभिभावक इस प्रकार रोकें।

बच्चों को सोने से 30 मिनट पहले किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का उपयोग न करने दें

हर तीन महीने में सात दिन के लिए फेसबुक से दूर रखें।सप्ताह में एक बार, पूरे दिन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग न करने दे।अपने मोबाइल फोन का उपयोग केवल तभी करें जब घर से बाहर हों।

अपने मोबाइल टॉक टाइम को दिन में दो घंटे तक सीमित करें। अपने मोबाइल की बैटरी को दिन में एक से अधिक बार रिचार्ज न करें। मोबाइल भी अस्पताल में संक्रमण का एक स्रोत हो सकता है, इसलिए, इसे हर दिन कीटाणुरहित किया जाना चाहिए।

बच्चों के टिफिन को ऐसे करें तैयार

बच्चे बहुत मूडी होते हैं। इसलिए इस बात का खास ख़्याल रखें कि बच्चों का खाना इस तरह का हो, जिससे उन्हें अधिक से अधिक पौष्टिक तत्व मिल सकें और यह उनकी पसंद का भी होना चाहिये। अक्सर बच्चे फल और सलाद खाने में आनाकानी करते हैं, पर उन्हें विभिन्न शेप, साइज़ और डिज़ाइन में काटकर और कलरफुल लुक देकर खाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

इस प्रकार का खाना रखें

कुछ बच्चे खाने में अधिक समय लगाते हैं। इसलिए खाना स्वादिष्ट, साद व आसानी से खानेवाला होना चाहिए।

कई बार खाना टिफिन में इस तरह से पैक किया हुआ होता है कि बच्चे हाथ गंदे कर लेते हैं या पैकिंग खोल नहीं पाते हैं। इसलिए टिफिन में लंच इस तरह से पैक करें कि बच्चे आसानी से खोल व खा सकें.

सैंडविचेज़, रोल्स और परांठा को काटकर दें, ताकि बच्चे आसानी से खा सकें।

यदि लंच ब्रेक के लिए सेब, तरबूज़, केला आदि दे रही हैं, तो उन्हें छीलकर, बीज निकालकर और स्लाइस में काटकर दें।

टिफिन खरीदते समय ध्यान दें

टिफिन ख़रीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि टिफिन ऐसा हो, जिसे बच्चे आसानी से खोल व बंद कर सकें।

बच्चों को टिफिन में फ़ाइड फूड न दें। यदि कटलेट, कबाब व पेटिस आदि दे रही हैं, तो वे भी डीप फ़ाई किए हुए न हों।

लंच में खाने की अलग-अलग वेराइटी बनाकर दें। उदाहरण के लिए- कभी फ़ूट्स दें, तो कभी सैंडविच, कभी वेज रोल, तो कभी स्टफ्ड परांठा।

बच्चों को टिफ़िन में फ़ूट्स व वेजीटेबल (ककड़ी, गाजर आदि) सलाद भी दे सकती हैं, लेकिन सलाद में केवल एक ही फल, ककड़ी या गाजर काटकर न दें, बल्कि कलरफुल सलाद बनाकर दें। बच्चों को कलरफुल चीज़ें आकर्षित करती हैं।

ककड़ी, गाजर और फल आदि को शेप कटर से काटकर दें। ये शेप्स देखने में अच्छे लगते हैं और विभिन्न शेप्स में कटी हुई चीज़ों को देखकर बच्चे खुश होकर खा भी लेते हैं।

सलाद को कलरफुल और न्यूट्रिशियस बनाने के लिए उसमें इच्छानुसार काला चना, काबुली चना, कॉर्न, बादाम, किशमिश आदि भी डाल सकती हैं।

ओमेगा3 को 'ब्रेन फूड' कहते हैं, जो मस्तिष्क के विकास में बहुत फ़ायदेमंद होता है। इसलिए उन्हें लंच में वॉलनट, स्ट्रॉबेरी, कीवी फ़ूट, सोयाबीन्स, फूलगोभी, पालक, ब्रोकोली, फ्लैक्ससीड से बनी डिश दें।

मल्टीग्रेन ब्रेड रहेगी अच्छी

व्हाइट ब्रेड (मैदेवाली ब्रेड) स्वास्थ्य को नुक़सान पहुंचाती है, इसलिए उन्हें व्हाइट ब्रेड की जगह मल्टीग्रेन ब्रेड से बने सैंडविचेज़ और रोल्स आदि दें। इन सैंडविचेज़ और रोल्स में सब्ज़ियां, सलाद और चीज़ आदि भरकर उन्हें अधिक हेल्दी और टेस्टी बना सकती हैं।

लंच में यदि डेयरी प्रोडक्ट देना चाहती हैं, तो चीज़ स्टिक्स/क्यूब्स और दही दे सकती हैं। यदि दही दे रही हैं, तो वह ताज़ा हो।

खाने के समय बच्चों को अधिक प्रोटीन की आवश्यकता होती है। इसलिए उन्हें लंच में उबला हुआ अंडा, पीनट बटर, दाल परांठा, काबुली चना, सोया, पनीर, बीन्स आदि से बना खाना दें।हेल्दी लंच के साथ-साथ बच्चों को पानी की बॉटल भी दें।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान में पोलियो टीकाकरण टीम पर हमला, चार पुलिसकर्मियों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात हमलावरों द्वारा पोलियो टीकाकरण टीम पर गोलीबारी की गई। जिससे उन्हें सुरक्षा प्रदान कर रहे चार पुलिसकर्मियों की मौत हुई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घटना टैंक जिले के गुल ईमान इलाके में हुई, जहां अज्ञात बंदूकधारियों ने उस पुलिस वैन पर घात लगाकर हमला कर दिया, जिसमें घर-घर जाकर पोलियो टीकाकरण करने वाली टीम सवार थी। उन्होंने बताया कि हमले में घायल दो पुलिसकर्मियों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस ने इलाके में तलाश अभियान शुरू किया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पुलिस और हमलावरों के बीच लंबे समय तक गोलीबारी जारी रही। फिलहाल किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

यूरोपीय देशों ने ऊर्जा के दामों को नियंत्रण में रखने के लिए कोशिशें तेज की

कीव। यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध से वैश्विक ऊर्जा दामों में वृद्धि के बीच यूरोपीय संघ ने लोगों को तेजी से बढ़ रहे इस ऊर्जा दामों से बचाने का अपना अभियान तेज कर दिया है। दरसअल बढ़ते दामों के कारण यूरोप में सर्दियों में लोगों के गरीबी और ठंड से बुरी तरह परेशान होने की आशंका उत्पन्न हो गयी है। संघ के 27 सदस्य देशों के ऊर्जा मंत्रियों ने आपात बैठक की है और उन्हें गैस एवं बिजली के मूल्यों को नियंत्रण में रखने के विभिन्न प्रस्तावों पर भिन्न-भिन्न विचारों के बीच सहमति बन जाने की उम्मीद है। इन प्रस्तावों में तेल एवं गैस कंपनियों के अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाने से लेकर रूसी गैसों की मूल्य सीमा तय करने जैसे उपाय शामिल हैं। दरअसल तेल एवं गैस के दाम तेजी से बढ़ने से कंपनियों को अप्रत्याशित लाभ हो रहा है। कई मंत्रियों ने कहा कि हर देश की विभिन्न ऊर्जा जरुरतों, आपूर्ति आदि को देखते हुए सहमति पर पहुंच पाना आसान नहीं होगा लेकिन यदि पूरे यूरोप में संकटों से घिरे लोगों को समय से सहायता पहुंचानी है तो यह समय बड़ा महत्वपूर्ण है। रूस ने प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में कटौती कर दी है। इस गैस का उपयोग कारखानों, विद्युत उत्पादन और सर्दियों में घर को गर्म रखने में किया जाता है। रूस के इस कदम के चलते ऊर्जा के दाम और मुद्रास्फीति बढ़ गयी है जिससे यूरोप को इस साल के उत्तरार्ध में मंदी आने की आशंका है। आयरिश परिवहन, पर्यावरण एवं जलवायु मंत्री इयामोन रयान ने यहां संवाददाताओं से कहा, '' यहां सबसे बड़ा हस्तक्षेप रूस सरकार की तरफ से है। उसने अपने कदमों से गैस को युद्ध के हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया है। हमें हस्तक्षेप करना होगा क्योंकि पूरे बाजार के साथ खिलवाड़ किया गया है।'' उन्होंने कहा कि 'महीनों नहीं, बल्कि सप्ताहों के अंदर' कदम उठाया जाना चाहिए। चेक गणराज्य के उद्योग मंत्री ने कहा, '' अब प्रतीक्षा करने का वक्त नहीं है, हमें शीघ्रता एवं एकजुटता दिखानी होगी।

ऊर्जा लागत में वृद्धि, अपराध पर बढ़ती चिंताओं के बीच स्वीडन में चुनाव

वाशिंगटन। स्वीडन में चुनाव का दिन नजदीक आते ही माल्मो शहर में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जोआकिम सैंडेल अपनी पार्टी के चुनाव चिह्न वाली जैकेट पहन कर मतदाताओं के दरवाजे की घंटी बजाने और उनसे मतदान के आग्रह करने के लिए निकल पड़े हैं। मजदूर आंदोलन में गहरी जड़ें रखने वाले मोलेवेंजेन जिले के बहुत से लोग प्रधानमंत्री मैग्डेलेना एंडरसन की पार्टी सोशल डेमोक्रेट्स का समर्थन करते हैं, लेकिन रविवार के चुनाव में कांटे की टक्कर होने की उम्मीद है और मध्य-वाम पार्टी एक एक वोट के लिए लड़ रही है, क्योंकि उसे दक्षिणपंथी दल से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। 349 सीटों वाली राष्ट्रीय संसद 'रिक्सदाग' के चुनाव में सैंडेल फिर से मैदान में हैं। उन्होंने अपना अभियान यह सोचकर शुरू किया है कि मतदाता कोविड-19 महामारी के मद्देनजर स्वास्थ्य की स्थिति पर चर्चा करना चाहते हैं। कोरोना महामारी यहां बुजुर्गों पर भारी पड़ी थी। हालांकि, स्वीडन के मतदाता यूक्रेन में जारी युद्ध के मद्देनजर बढ़ती ऊर्जा लागत और घरेलू स्तर पर हिंसक अपराध की बढ़ती घटनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एक साल से भी कम समय पहले स्वीडन की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं एंडरसन को उच्च अनुमोदन रेटिंग प्राप्त है। उनकी पार्टी स्वीडन के उदार कल्याणकारी राज्य की रक्षक है, लेकिन इसका समर्थन वर्षों से कम होता जा रहा है। इस सप्ताह माल्मो में सैंडेल के साथ प्रचार कर रही 62 वर्षीया नर्स इनेस पेंटमों ने कहा, ''हमने पिछले 20 वर्षों में अनेक वोट गंवाए। हम अपने रास्ते पर संघर्ष कर रहे हैं।'' सत्तर के दशक में अपने परिवार के साथ चिली की तानाशाही से भागने के बाद स्वीडन में उनका स्वागत किया गया था और वह नहीं चाहतीं कि स्वीडन शरणार्थियों के लिए अपने पारंपरिक खुलेपन का त्याग करे। नर्स ने कहा, ''खतरा दक्षिणपंथ की ओर से बहुत अधिक है।'' स्वीडन डेमोक्रेट्स दक्षिणपंथी लोकलुभावन पार्टी है जो आव्रजन के खिलाफ सख्त रुख अपनाती है। इस पार्टी का वर्चस्व बढ़ रहा है, क्योंकि अन्य दल इसके करीब आ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने खुद पुलिस बल बढ़ाने के वादों पर प्रचार किया। स्वीडन डेमोक्रेटिक पार्टी की स्थापना दशकों पहले नव-नाजी आंदोलन के लोगों ने की थी।

दक्षिण अफ्रीका से अगले माह भारत पहुंचेगा 12 चीतों का जत्था

जोहान्सबर्ग । दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों का एक जत्थे के अगले माह भारत पहुंचेगा। भारत में चीते विलुप्त हो चुके हैं, इसलिए विदेश से चीतों को लाया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका के वन्यजीव विशेषज्ञों का एक दल शुक्रवार को भारत से स्वदेश लौटा है। भारत में इस दल ने उस स्थान का निरीक्षण किया, जहां इन चीतों को रखा जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि लिंपोपो प्रांत में वन्यजीव पशु चिकित्सक डॉ. एंडी फ्रेजर द्वारा चलायी जा रही रूइबर्ग वेटेनरी सर्विसेज में नौ चीतों को पृथक-वास में रखा गया है, जबकि तीन अन्य को क्वाजुलु - नटाल प्रांत के फिंडा गेम अभयारण्य में पृथक-वास में रखा गया है। फ्रेजर ने बताया कि अगले महीने चीतों को भारत ले जाये जाने की संभावना है। वह और दक्षिण अफ्रीका के चीता विशेषज्ञ प्रोफेसर एड्रियन टॉरडिफ भी साथ जायेंगे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि अक्टूबर में किस तारीख को दक्षिण अफ्रीका से ये चीते भारत भेजे जाएंगे। उससे पहले, अगले ही हफ्ते नामीबिया से आठ चीते भारत भेजे जाने की संभावना है। समस्त प्राणियों में चीते को सबसे तेज दौड़ने वाला प्राणी माना जाता है। चीते की गति इतनी अधिक होती है कि वह 40 सेकेंड में 700 गज की दूरी नाप सकता है। इसका अर्थ है यह प्राणी एक घंटे में 70 मील की रफ्तार से दौड़ सकता है। यद्यपि चीता लम्बी दूरी तक नहीं दौड़ता उसकी गति सामान्यत- शिकार करते समय तीव्रतम होती है एवं वह साधारणत- 300 फीट की दूरी से अपने शिकार की ओर झपटता है।

अल्बानिया पर साइबर हमले के बाद अमेरिका ने ईरान पर लगाए प्रतिबंध

वॉशिंगटन । संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान के खुफिया और सुरक्षा मंत्रालय और उसके मंत्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। दरअसल, अमेरिका ने ईरान पर साइबर हमले से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया है। अमेरिका ने कहा कि एक जुलाई में अल्बानिया पर हुए साइबर हमले में ईरान का हाथ था। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने यह कदम तब उठाया है, जब अल्बानिया में उसी घटना को वापस दोहराया गया जिसके बाद अल्बानिया की ओर से बयान आया कि वह ईरान के साथ राजनयिक संबंध तोड़ रहा है यानी ईरानी राजनयिकों और दूतावास के कर्मचारियों को 24 घंटे के भीतर देश को छोड़ने के लिए आदेश दिया गया। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कहा कि साइबर हमलों में शामिल होने वाले लोगों के कई नेटवर्क है और ये सभी ईरानी सरकार के समर्थक है। ट्रेजरी के अंडर सेक्रेटरी फॉर टेररिज्म एंड फाइनेंशियल इंटेलिजेंस, ब्रायन नेल्सन ने कहा ?कि हम ईरान की तेजी से आक्रामक साइबर गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। जुलाई के हमलों ने सरकारी वेबसाइटों और अन्य सार्वजनिक सेवाओं को अस्थायी रूप से बाधित कर दिया गया था। विश्लेषकों का कहना है कि ऑपरेशन का उद्देश्य अल्बानिया को नीचा दिखाने के लिए करना था क्योंकि वह देश में स्थित एक समूह जाहिदीन-ए-खल्क (एमईके) का समर्थन कर रहा था। वहीं ईरान के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है।

क्रोएशिया में 2 ट्रेन के बीच टक्कर में तीन लोगों की मौत, 11 घायल

जागरेब । मध्य क्रोएशिया में एक यात्री ट्रेन और एक मालगाड़ी के बीच टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई है जबकि 11 अन्य घायल हो गए हैं। पुलिस ने एक बयान में बताया कि टक्कर क्रोएशिया और बोस्निया की सीमा के पास नोवस्का के निकट रात करीब साढ़े नौ बजे हुई। क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविक ने कहा टक्कर भीषण थी। प्लेंकोविक ने पुष्टि की कि दुर्घटनास्थल से अभी तक तीन लोगों के शव मिल चुके हैं। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं, जिनमें से कुछ गंभीर रूप से घायल हैं, लेकिन किसी के जीवन को खतरा नहीं है। अभी तक पता नहीं चल पाया है कि टक्कर होने का कारण क्या था। प्लेंकोविक ने बताया कि यात्री ट्रेन एक स्थानीय लाइन पर चल रही थी और उसमें 13 लोग सवार थे, जबकि मालगाड़ी में केवल इंजन चालक सवार था। उन्होंने बताया कि घायलों में अन्य देशों के नागरिक भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि दोनों ट्रेन को पटरी से हटा दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद सिडनी में ओपेरा हाउस पर एलिजाबेथ की एक फोटो श्रद्धांजलि स्वरूप प्रदर्शित की गई।

अगले सप्ताह भारत दौरे पर रहेंगे नेपाल के विदेश सचिव पौड्याल - विनय मोहन क्वात्रा के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत करेंगे

काठमांडू । नेपाल के विदेश सचिव भरत राज पौड्याल अगले हफ्ते भारत दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वह अपने भारतीय समकक्ष विनय मोहन क्वात्रा के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत करेंगे, जिसमें दोनों देशों के बीच बहुआयामी सहयोग से जुड़े सभी मुद्दे शामिल हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय से यह जानकारी मिली। मंत्रालय ने बताया कि 13 से 14 सितंबर के बीच अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा पर पौड्याल क्रमशः अप्रैल और मई में नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की भारत यात्रा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेपाल दौरे के दौरान घोषित पहलों पर हुई प्रगति की समीक्षा भी करेंगे। उनका 15 सितंबर को काठमांडू लौटने का कार्यक्रम है। मई में प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के लुंबिनी का दौरा किया था, जिसे गौतम बुद्ध की जन्मस्थली माना जाता है। लुंबिनी में उन्होंने नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ मिलकर बौद्ध विहार की आधारशिला रखी थी, जिसका निर्माण भारत के सहयोग से किया जा रहा है। द्विपक्षीय बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने शिक्षा और सांस्कृतिक क्षेत्र में सहयोग के लिए छह समझौता ज्ञापन(एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। भारत के सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे की नेपाल यात्रा हाल ही में समाप्त हुई है। इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा देने के तरीकों पर देश के शीर्ष असैन्य और सैन्य नेतृत्व के साथ व्यापक बातचीत की थी। नेपाल भारत का एक अहम पड़ोसी है।

ब्रिटेन में क्वीन के बाद अब किंग, नए राजा के तौर पर प्रिंस चार्ल्स III की हुई ताजपोशी

लंदन (एजेंसी)।

'God save our gracious king' के उद्घोष के साथ हजारों लोगों की एकट्ठा हुई भीड़ और परिषद के क्लर्क द्वारा की गई घोषणा के बाद ब्रिटेन में अब क्वीन के बाद किंग के राज का आगाज हो गया। एलिजाबेथ द्वितीय ने 70 साल तक देश पर शासन किया। जिनके निधन के बाद अब उनके उत्तराधिकारी और बड़े बेटे किंग चार्ल्स तृतीय को ब्रिटेन की गद्दी सौंप दी गई। इतिहास में पहली बार टेलीविजन पर प्रसारित परिग्रहण परिषद के एक ऐतिहासिक समारोह में किंग चार्ल्स तृतीय को औपचारिक रूप से ब्रिटेन का नया सम्राट घोषित किया गया।

अपनी मां, महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मृत्यु के बाद 73 वर्षीय पूर्व प्रिंस ऑफ वेल्स को सिंहासन पारित किया गया था और शनिवार के समारोह में लंदन के सेंट जेम्स पैलेस में उनकी औपचारिक घोषणा और शपथ ग्रहण समारोह हुआ। किंग चार्ल्स III ने अपनी पहली प्रिवी काउंसिल की बैठक आयोजित की और ÷संप्रभुता के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को मानने÷ और अपनी दिवंगत मां के नक्शेकदम पर चलने की घोषणा की। उन्होंने राष्ट्र के नाम अपने पहले संबोधन में कहा कि वह महारानी

एलिजाबेथ द्वितीय के निधन से बहुत दुखी हैं और जीवन पर्यंत राष्ट्र की सेवा करने का उनका काम जारी रखेंगे।

इससे पहले किंग चार्ल्स ने अपने सबसे बड़े बेटे विलियम और उनकी बहू केट को प्रिंस और प्रिंसेस ऑफ वेल्स की उपाधि से सम्मानित किया था। विलियम चार्ल्स और दिवंगत राजकुमारी डायना के सबसे बड़े बेटे हैं। इस बीच, भारत ने महारानी एलिजाबेथ के निधन पर सम्मान के तौर पर कल एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। 96 वर्षीय सम्राट के निधन के बाद दुनिया भर से शोक व्यक्त किया गया।

गूगल पर एकाधिकार बनाने के लिए अनैतिक कार्य पर अमेरिकी न्याय विभाग का नोटिस

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी न्याय विभाग ने स्थानीय कोर्ट में गूगल के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। गूगल दुनिया का सबसे बड़ा सर्च इंजन है। इसने अनैतिक तरीके से एप्पल सैमसंग जेसी मोबाइल कंपनियों को हर साल अरबों डालर का भुगतान कर, एकाधिकार बनाकर, प्रतिस्पर्धीयों को नुकसान पहुंचाने का काम किया है। इस मामले की सुनवाई जज अमित मेहता की कोर्ट में हो रही है। न्याय विभाग के अटार्नी केनेथ डिटजर ने अदालत में रकम का खुलासा नहीं किया। जज के सामने जो दस्तावेज पेश किए गए हैं। उसमें गूगल द्वारा जो अरबों डॉलर का भुगतान मोबाइल और लैपटॉप कंपनियों को किया गया है। उसकी जानकारी दी गई है। न्याय विभाग का आरोप है कि गूगल सर्च इंजन में डिफॉल्ट तरीके से गूगल सर्च इंजन रखे जाने के लिए इन कंपनियों से गूगल का समझौता है। उक्त कंपनियों को गूगल द्वारा भुगतान किया जाता है। न्याय विभाग का यह भी कहना है कि डिफाल्ट सर्च इंजन में बदलाव करने की जानकारी उपभोक्ता को नहीं होती है। इसका लाभ गूगल सर्च इंजन उठाता है। गूगल अपने व्यापार में एकाधिकार कायम करने के लिए इसका उपयोग करता है। गूगल एंटी ट्रस्ट कानून का उल्लंघन कर रहा है। उल्लेखनीय है पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में गूगल के खिलाफ मुकदमा दायर कराया गया था। अब यह मामला कोर्ट में सुनवाई के स्तर पर पहुंच गया है। जहां दोनों पक्षों द्वारा अपनी अपनी दलील रखी जा रही है। गूगल ने अपने जवाब में कहा है कि न्याय विभाग बाजार की सही तरीकों को नहीं समझते हैं। न्याय विभाग छोटे सर्च इंजन और माइक्रोसॉफ्ट इत्यादि की जानकारी पर केंद्रित है। गूगल ने कहा उसे भी अन्य कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।

मुझे जेल भेजा गया तो और भी ज्यादा खतरनाक हो जाऊंगा : इमरान

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान ने पाकिस्तान सरकार को धमकी दी कि यदि उन्हें जेल भेजा गया तो वह और भी ज्यादा खतरनाक हो जाएंगे। इमरान खान ने अपने खिलाफ दायर आतंकवाद के एक मामले की सुनवाई के दौरान इस्लामाबाद हाईकोर्ट के बाहर पुलिस की भारी तैनाती पर भी नाराजगी जताई। इस्लामाबाद के सदर मजिस्ट्रेट अली जावेद की शिकायत पर पीटीआई प्रमुख इमरान खान पर 20 अगस्त को आयोजित रैली के दौरान राजधानी इस्लामाबाद की एक महिला जज को धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। इमरान खान को कड़ी सुरक्षा के बीच इस्लामाबाद हाईकोर्ट (आईएचसी) लाया गया। इसके लिए अदालत में सैकड़ों सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। इमरान खान के बनिगला आवास से निकलने से पहले पीटीआई के कई नेता अदालत में पहुंचे थे। लेकिन सुरक्षा अधिकारियों ने फवाद चौधरी, शहजाद वसीम और अन्य को रोक दिया क्योंकि उनके नाम रजिस्ट्रार कार्यालय से दी गई सूची में नहीं थे। इमरान खान ने पत्रकारों से अदालत में पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की भारी तैनाती पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को किससे डर लगता है। इमरान ने यह कहते हुए अधिक बोलने से इनकार कर दिया कि उनकी टिप्पणियों को अदालत द्वारा गलत समझा जा सकता है और कहा कि वह सुनवाई में हिस्सा लेने के बाद बोलेंगे। इमरान ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में अपने किसी भी विरोधी को निशाना नहीं बनाया। उन्होंने कबूल किया कि कुछ मामले ऐसे भी थे जिन्हें गलत तरीके से निपटाया गया, लेकिन उसके बारे में उनको बाद में पता चला।

बाढ़-बारिश से पाकिस्तान में हाहाकार, तोड़ी देश की आर्थिक कमर

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में मूसलाधार बारिश और बाढ़ ने जो कोहराम मचाया उससे पूरे देश बेहाल है। आम जनता से लेकर सरकार तक इसके सामने लाचार दिखाई दे रही है। इस बाढ़ और बारिश का असर अब पाकिस्तान की विकास दर पर भी पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। पहले ही हजारों हेक्टेयर की कृषि योग्य भूमि बाढ़ की चपेट में आकर बर्बाद हो चुकी है। फसलें तबाह हो चुकी हैं। खाद्य पदार्थों और सब्जियों की पहले से ही कमी हो रखी है। इसकी वजह से स्थानीय बाजारों में इनकी कीमतों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

देश की टेक्सटाइल्स इंडस्ट्री पहले ही कपास की कमी से करोड़ों रुपयों का नुकसान होने की आशंका जता चुकी है। इस इंडस्ट्री ने सरकार से भारत से कपास आयात को मंजूरी देने का आग्रह किया है। फल, सब्जी और कपास समेत दूसरी चीजों की कमी को पूरा करने के लिए पाकिस्तान ने भारत को अंतिम विकल्प के तौर पर इस्तेमाल करने की बात कही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस बाढ़ से देश को 30 अरब डालर का नुकसान हुआ है।

इन सभी के बीच देश के योजना मंत्री अहसान इकबाल ने कहा है कि वर्ष 2022-23

में जीडीपी 3 फीसद रहने की आशंका है। पहले इसके 5 फीसद रहने का अनुमान लगाया गया था, लेकिन बाढ़ और बारिश से बिगड़े हालातों के बीच पाकिस्तान की आर्थिक कमर भी टूट गई है। इस वजह जीडीपी में गिरावट होने की आशंका जाहिर की गई है। वहीं दूसरी तरफ नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट आथारिटी ने कहा है कि इस बाढ़ ने 1396 लोगों की जान अब तक जा चुकी है। इसके अलावा 12700 से अधिक लोग घायल भी हुए हैं।

अहसान इकबाल जो एनडीएमए के प्रमुख भी हैं की ताजा रिपोर्ट बता रही है कि देश में बाढ़ की वजह से 17 लाख से अधिक घर या तो पूरी तरह से ध्वस्त हो गए हैं या फिर क्षतिग्रस्त हुए हैं। 6600 किमी से अधिक सड़कें पूरी तरह से बाढ़ में बह गई हैं। बाढ़ ने करीब 300 पुलों को भी बर्बाद कर दिया है। अहसान इकबाल ने ये आंकड़े युनाइटेड नेशन के प्रमुख एंतोनियो गुतरेस और पीएम शहबाज शरीफ के सामने पेश किए हैं। आपको बता दें कि पिछले दिनों यूएन प्रमुख दो दिन के पाकिस्तान के दौरे पर इस्लामाबाद पहुंचे थे। उन्होंने बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई दौरा भी किया था। इसके अलावा उन्होंने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व से मदद देने की अपील भी की थी।

बाढ़ से देश के 81 जिले बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। इनमें बलूचिस्तान के 32, सिंध के 23 और खैबर पख्तूंख्वां के 17 जिले शामिल हैं। पाकिस्तान दशकों में इस तरह की बाढ़ का सामना कर रहा है। वर्ष 2010 में आए सुपरफ्लट से देश में 2 करोड़ लोग प्रभावित हुए थे, जबकि इस बार ये आंकड़ा 3130 करोड़ तक जा पहुंचा है। करीब 6 लाख लोग टैंटों में रहने को मजबूर हैं। देश में ढांचागत सुविधाओं और स्वास्थ्य सुविधाओं की भी दोहरी मार बाढ़ से पीड़ित लोगों पर पड़ रही है। इकबाल के मुताबिक रूस-यूक्रेन युद्ध और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से ऋण मिलने में हुई देरी से भी हालात काफी खराब हुए हैं। आपको बता दें कि एक तरफ जहां पर देश की बाढ़ से हालत खराब है वहीं इमरान खान लगातार देश में अपनी रैलियों को अंजाम दे रहे हैं। वह कह चुके हैं कि बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए उनके पास समय नहीं है।

अफगानिस्तान से भागकर पाकिस्तान में रह रहे पत्रकारों का अधर में लटका भविष्य

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में पिछले साल तालिबान का पुनः कब्जा होने के बाद देश से पलायन करने वाले दर्जनों अफगान पत्रकारों का पाकिस्तान में कोई भविष्य नजर नहीं आ रहा। वे पाकिस्तान में रहने के लिए अपने वीजा के नवीनीकरण का इंतजार कर रहे हैं और साथ ही अमेरिका या यूरोपीय देशों में वापस भेजे जाने के लिए संघर्षरत हैं। अफगानिस्तान से भागकर मुख्य रूप से इस्लामाबाद, कराची और क्वेटा में रह रहे पत्रकारों की शिकायत है कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय संगठनों और गैर सरकारी संगठनों से भी मदद नहीं मिल रही।

पाकिस्तानी गृह मंत्रालय के वीजा विभाग के एक अधिकारी मलिक मुहम्मद अफजल ने कहा कि इस साल वीजा की अवधि बढ़ाई जा सकती है लेकिन इसके लिए उन्हें देश की खुफिया एजेंसियों से अनुमति लेनी होगी। काबुल में आरिआना न्यूज में काम करने वाली नसरीन शिरजाद ने कहा, 'अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद रिपोर्टिंग और कामकाज बंद होने के डर से वहां से पलायन करने वाले सभी मीडियाकर्मियों को विशेष वीजा देने के लिए पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने अनुमति दी है।' शिरजाद तीन बच्चों की मां हैं और अगस्त 2021 में तालिबान की वापसी के तत्काल बाद उन्होंने नांगरहार प्रांत छोड़ दिया था। अफगानिस्तान में उनके घर के बाहर एक पत्र मिला था जिस पर लिखा था कि उन्होंने जो 'पाप' और 'काफिरों वाले काम' किये हैं उसके लिए उन्हें परिणाम भुगतने होंगे। तालिबान ने ऐसा कोई पत्र जारी करने से इनकार किया था और उस पत्र को फर्जी बताया था। महिला एंकर और प्रसारक का कहना है कि गैर सरकारी संगठनों और पश्चिमी देशों के अन्य संगठनों ने कहा कि इसका कोई प्रमाण नहीं है कि शिरजाद को अफगानिस्तान में किसी तरह का खतरा है। शिरजाद का कहना है कि एक पत्रकार के तौर पर उन्हें और उनके परिवार को ऐसे कई खतरों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा, 'जब हमें पाकिस्तान का वीजा मिला तो यह हमारे परिवार के लिए राहत की बात थी मगर अब वह वीजा समाप्त हो गया है।' अन्य अफगान पत्रकार भी पाकिस्तान सरकार की ओर से वीजा की अवधि बढ़ाए जाने के इंतजार में हैं। उनके मकान मालिकों ने उनसे कह दिया है कि वे घर छोड़ दें नहीं तो उन्हें निकाल दिया जाएगा। अफगान समाचार चैनल तोलो टीवी के पत्रकार अब्दुला हमीम ने कहा, ÷वैध वीजा के बिना मैं न तो पाकिस्तान में कहीं किराए की जगह पर रह सकता हूं और न ही एनजीओ या अफगान रिश्तेदारों से मुझे कोई वित्तीय मदद मिल रही है।÷ वर्तमान में लगभग दो सौ ऐसे पत्रकार हैं जिन्होंने तालिबान के डर से देश छोड़ा है। वे भी व्हाट्सऐप समूह के जरिये

संपर्क में रहते हैं। इनमें से बहुत सी महिला पत्रकार हैं जिन्होंने तालिबान की वापसी से पहले एंकर और प्रसारक के तौर पर काम किया था। अफगान संसद के पूर्व टीवी चैनल के लिए काम करने वाली 26 वर्षीय सोबदा नासिरी ने कहा कि उनके वीजा की अवधि इस महीने समाप्त हो गई जिसके कारण वह वैध तरीके से किराए का कमरा लेकर नहीं रह सकतीं। उन्होंने कहा कि अभी वह इस्लामाबाद में एक अफगान महिला के साथ रह रही हैं। नासिरी का इस समय अवसाद का इलाज चल रहा है और उन्हें वित्तीय संकट जूझना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स, रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स, कमिटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स जैसे संगठनों तथा जर्मन, फ्रांसीसी, इतालवी और कनाडाई दूतावासों को भेजे गए ईमेल तथा आवेदनों का अभी तक कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कश्मीरी पंडितों ने धूमधाम और पारम्परिक रीति-रिवाज से मनाया वेयथ त्रुवाह पर्व

नई दिल्ली । कश्मीरी पंडितों ने बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ वितस्ता नदी का जन्मदिन मनाया। हम आपको बता दें कि झेलम नदी का ही वास्तविक नाम वितस्ता है और कश्मीरी पंडित इसे वेयथ के नाम से भी पुकारते हैं और उनके लिए यह सिर्फ नदी नहीं बल्कि आत्मा के बराबर महत्व रखती है। इस नदी के किनारे कई प्रसिद्ध मंदिर स्थित हैं। हम आपको बता दें कि कश्मीरी संस्कृति और सभ्यता की जननी वितस्ता नदी के घाट पर कभी वेयथ त्रुवाह के अवसर पर बड़ा मेला लगता था। इस साल भी अच्छी खासी संख्या में कश्मीरी पंडित वेयथ त्रुवाह के अवसर पर घाटी में एकत्रित हुए और पूजा अर्चना की। प्रभासाक्षी के साथ बातचीत में कश्मीरी पंडितों ने उम्मीद जताई कि जिस तरह से हालात बदल रहे हैं, उसको देखते हुए जल्द ही फिर से वेयथ त्रुवाह पर्व की पुरानी रौनक लौटेगी और लोग बड़ी संख्या में यहां आएंगे। हम आपको बता दें कि यह समारोह पुराने श्रीनगर के हाबा कदल में पुरशियार घाट पर आयोजित किया गया था और कश्मीर के संभागीय आयुक्त भी इस दौरान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पुराने श्रीनगर के प्रसिद्ध मंदिरों से सटे पांच घाट शाम को जगमगा उठे। समारोह की शुरुआत झेलम नदी के नीचे नावों पर कलाकारों द्वारा पारंपरिक संगीत के वादन के साथ हुई। इस दौरान जब पूजा और आरती के बाद नदी में मिट्टी के जलते दीये छोड़े गये तो बड़ा अलौकिक दृश्य था। समारोह के समापन के समय एक जुलूस भी निकाला गया जिसमें सभी समुदायों के लोग शामिल हुए।

शराबबंदी का नीतिश का फैसला सही, लेकिन पीएम मोदी का विकल्प नहीं बन सकते : उमा भारती

भोपाल । भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम उमा भारती ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उनके राज्य में शराबबंदी लागू करने के लिए सराहना की, लेकिन साथ ही कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकल्प नहीं हो सकते। दरअसल उमा लंबे समय से मध्यप्रदेश में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग कर रही हैं। उन्होंने कहा, नीतीश ने कम से कम अपने राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू करने का साहस दिखाया है। यह पूछने पर कि क्या नीतीश मोदी के विकल्प के तौर पर उभर सकते हैं, उमा ने कहा, वह ऐसा नहीं कर पाएंगे, इसका सवाल ही पैदा नहीं होता क्योंकि मोदी एक अद्वितीय व्यक्ति हैं, इसतरह के व्यक्ति कम ही होते हैं। भारती ने कहा, इसके अलावा, वह (मोदी) भगवान की रचना हैं और लोग उनके साथ हैं। लेकिन कुमार के प्रयासों से विपक्ष मजबूत होगा क्योंकि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की प्रदेश में शराब की बिक्री में कमी करने की इच्छा का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वह प्रदेश की राजधानी में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास बैठकर महिलाएं इस मुद्दे पर जागरूकता बढ़ाएंगी। भारती लंबे समय से महिलाओं की पीड़ा और उनकी शराबबंदी की मांग का हवाला देते हुए राज्य में शराब बिक्री का विरोध कर रही हैं। उन्होंने ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए अपने करीबी सहयोगी प्रीतम सिंह लोधी की आलोचना कर कहा कि उन्होंने लोधी को डांटा और इस मुद्दे पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा से माफी मांगने के लिए कहा। हालांकि भाजपा ने इस मामले में लोधी के माफी मांगने के बाद भी उन्हें पार्टी से निकाल दिया।

आगामी त्यौहारी सीजन को लेकर लोग बरते सावधानी, 4 माह बाद हम कोरोना से पहले वाली स्थिति में : अरोड़ा

नई दिल्ली । कोरोना पर राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी परामर्श समूह के अध्यक्ष डॉ.एनके अरोड़ा ने आगामी त्यौहारी सीजन को लेकर आम जनता को जरूरी सलाह देकर सावधानी बरतने का आग्रह किया है। अरोड़ा ने बताया कि लोगों को कम से कम अगले 4 महीनों के लिए सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि त्यौहारी सीजन से पहले लोगों को कोविड-19 वैक्सीन का बूस्टर डोज लेने के लिए आगे आना चाहिए। अरोड़ा ने कहा कि 4 महीने के बाद, हम कोरोना महामारी से पहले वाली सामान्य स्थिति की ओर बढ़ना शुरू कर देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि अनुशासित व्यवहार ही कोरोना के नए स्ट्रेन को उभरने से रोकने में कारगर साबित होगा। डॉ.अरोड़ा का कहना है कि कोरोनो वैक्सीन का बूस्टर डोज लगवाने में लोगों ने शुरू में उतना उत्साह नहीं दिखाया। केंद्र की ओर से सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों पर बूस्टर डोज मुफ्त में उपलब्ध करवाई जाने के बाद एहतियाती खुराक लगवाने वालों की संख्या में वृद्धि दर्ज की जा रही है। पहले प्रतिदिन औसतन बूस्टर डोज की 2 लाख खुराकें लग रही थीं, जबकि इसे मुफ्त में उपलब्ध कराने के बाद यह संख्या बढ़कर प्रतिदिन 25.40 लाख खुराक तक पहुंच गई है। लोगों को बिना किसी शुल्क के कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज लगवाने के लिए प्रेरित करना आसान है। केंद्र सरकार ने सभी के लिए कोरोना टीके की मुफ्त बूस्टर डोज की घोषणा की। देश भर के करीब 40,000 से अधिक टीकाकरण केंद्रों पर बूस्टर डोज निशुल्क उपलब्ध है। अरोड़ा ने बूस्टर डोज लगवाने वालों की संख्या अचानक काफी बढ़ने को लेकर कहा कि इस तरह की महामारी में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। लोगों तक पहुंच आसान हो जाती है। उन्होंने कहा कि हम इस तथ्य को इसतरह समझ सकते हैं कि देश में अब हुए कोविड टीकाकरण में केवल 6 प्रतिशत खुराक प्राइवेट वैक्सीनेशन सेंटर्स द्वारा लगाई गई है। हालांकि, बूस्टर डोज कवरेज पर उन्होंने संतुष्टि नहीं जताकर कहा कि अभी इस और बढ़ाने के लिए बड़े प्रयास की जरूरत है। डॉ.अरोड़ा ने कहा कि भारत बायोटेक की आने वाली नेजल वैक्सीन, जेनोवा की एमआरएनए वैक्सीन का उपयोग बूस्टर डोज के रूप में किया जा सकेगा, क्योंकि प्राथमिक चरण का टीकाकरण भारत में पहले ही बड़े स्तर पर हो चुका है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अभी इसकी वैज्ञानिक आधार पर पुष्टि नहीं हुई है कि फ्लू शॉट्स की तरह ही, कोविड-19 बूस्टर डोज का भी एक ही खुराक लेना पर्याप्त होगा।

केरल में एक दिन में बिक गई रिकॉर्ड 117 करोड़ की शराब

- पिछले साल थिरुओणम से एक दिन पहले उथराडम पर बिक्री 85 करोड़ तक पहुंची थी

तिरुवनंतपुरम । केरल के सरकारी स्टेट बेवरेजेस कारपोरेशन 'बेवको' के आंकड़ों के अनुसार थिरुओणम से एक दिन पहले पूरे केरल में 117 करोड़ की शराब की बिक्री दर्ज की गई है। पिछले दो साल में त्योहारी सीजन के दौरान कोविड-19 महामारी ने शराब की बिक्री में बाधा पैदा की थी। पिछले साल थिरुओणम से एक दिन पहले उथराडम पर बिक्री 85 करोड़ तक पहुंची थी। बेवको ने शराब बिक्री का डेटा जारी किया। एक अंग्रेजी अखबार की खबर के मुताबिक शुक्रवार के बेवको के आंकड़ों के अनुसार ओणम के पहले एक सप्ताह में पिछले साल के 529 करोड़ रुपए की शराब बिक्री की तुलना में 624 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड शराब बिक्री देखी गई। इस साल थिरुओणम पर बेवको आउटलेट्स के लिए छुट्टी घोषित की गई थी, जिससे लोगों ने पहले से ही स्टॉक खरीदा। जिससे बिक्री बढ़ गई। निगम के एक प्रवक्ता ने कहा कि दस दिनों के त्योहारी सीजन से कुल 700 करोड़ से ज्यादा का राजस्व मिलने की उम्मीद है। इसके बारे में डेटा 11 सितंबर के बाद ही सामने आएगा। शराब और लॉटरी केरल के राजस्व के प्रमुख साधनों में से हैं। राज्य के आंकड़ों के अनुसार पिछले कुछ साल से केरल को शराब से औसतन 14,000 करोड़ और लॉटरी से 10,000 करोड़ रुपए का सालाना राजस्व हासिल होता है।

राज्य में शराब पर टैक्स काफी ज्यादा हैं। 100-150 की लागत से बनाई गई रम की एक बोतल बेवको आउटलेट्स पर 600-800 रुपए में बेची जाती है। केरल राज्य की प्रति व्यक्ति शराब की खपत राष्ट्रीय औसत 5.7 लीटर के मुकाबले 8.5 लीटर है। पिछले साल के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में कम से कम 18.7 फीसदी पुरुष और शहरी क्षेत्रों में 21 फीसदी पुरुष शराब पीते हैं। राज्य में साल भर बेवको आउटलेट्स के सामने लंबी कतारें एक आम बात है। 2021 में केरल हाईकोर्ट ने इसके लिए राज्य सरकार की खिंचाई की थी और उसे शराब खरीदने वालों के लिए उचित आउटलेट और सुविधा प्रदान करने का आदेश दिया था। बाद में बेवको ने शराब के लिए होम डिलीवरी की एक व्यवस्था कायम करने की कोशिश की लेकिन शराबबंदी कार्यकर्ताओं और चर्च के विरोध के बाद इसे बंद कर दिया।

सोनाली फोगाट की मौत के मामले में जल्द चार्जशीट दाखिल करेगी गोवा पुलिस

पणजी । भाजपा नेता सोनाली फोगाट की मौत के मामले में गोवा पुलिस ने बताया कि वरिष्ठ स्तर पर प्रोफाइल की समीक्षा की जा रही है। गोवा पुलिस ने बताया कि जल्दी ही चार्जशीट दाखिल कर दी जाएगी। उत्तरी गोवा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) शोबित सक्सेना ने कहा कि वरिष्ठ स्तर पर इसकी समीक्षा की जा रही है, हमें रिमांड के बाद जल्द ही चार्जशीट दाखिल करने का भरोसा है। हम यह सुनिश्चित करने में लगे हैं कि जांच में कुछ भी छूट न जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि हम अवैध गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन करते हैं।

'विदेशी टी-शर्ट पहनकर भारत जोड़ने निकले राहुल बाबा',

अमित शाह बोले- तुष्टिकरण की राजनीति करती है कांग्रेस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के अमित शाह ओबीसी मोर्चे की राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित भी किया। अपने संबोधन में शाह ने कहा कि राजस्थान में तनोट मां के तीर्थ स्थान को मोदी जी ने 19 करोड़ रुपये खर्च करके एक बड़ा यात्रा धाम बनाने का निर्णय किया है। तनोट मां ने 1965-71 के युद्ध में हमारी पश्चिमी सीमाओं को सुरक्षित किया था। उन्होंने अशोक गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज जिस प्रकार की राजस्थान में सरकार चल रही है, उससे हम सभी दुखी हैं। राजस्थान में चल रही सरकार ने प्रदेश को विकास में सबसे पीछे ले जाने का कार्य किया है। देश की सबसे पुरानी पार्टी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि अभी देश में कांग्रेस की दो सरकारें है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ दोनों राज्यों का चुनाव 2023 में है। इन दोनों राज्यों में अगर भाजपा सरकार बनती है तो कांग्रेस के पास कुछ नहीं बचेगा। इसके साथ ही अमित शाह ने टी-शर्ट को लेकर भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। भाजपा नेता ने कहा कि अभी-अभी राहुल बाबा, भारत जोड़ो यात्रा लेकर निकले हैं। राहुल बाबा विदेशी टी-शर्ट पहनकर भारत जोड़ने निकले हैं। मैं राहुल बाबा और कांग्रेसियों उनका संसद एक भाषण याद दिलाता हूं। राहुल बाबा ने कहा था कि भारत राष्ट्र है ही नहीं। अरे राहुल बाबा, किस किताब में पढ़े हो आप? ये तो वो राष्ट्र है जिसके लिए लाखों, लाख लोगों ने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि ये तो वो राष्ट्र है जिसके लिए लाखों लोगों ने अपने सिर कटवाकर भूमि को लाल करने का काम कर दिया। मुझे लगता है राहुल बाबा को भारत का इतिहास पढ़ने की जरूरत है। राजस्थान सरकार पर हमला करते हुए अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस सरकार विकास का काम नहीं कर सकती है। रोड़ नहीं बना सकती, बिजली नहीं दे सकती, रोजगार नहीं दे सकती है। कांग्रेस सिर्फ वोट बैंक की, तुष्टिकरण कर राजनीति कर सकती है। उन्होंने कहा कि हमारे भाई कन्हैयालाल की निर्ममता से हत्या हुई, ये आप सहन कर लेंगे क्या? करौली की हिंसा को सहन करेंगे क्या? हिंदू त्योहारों पर प्रतिबंध लगाना सहन करेंगे क्या? अलवर में 300 साल पुराने मंदिर को तोड़ना सहन करेंगे क्या? उन्होंने कहा कि गहलोत साहब, मैं आपके वादे याद कराने आया हूं।

हिमाचल- केंद्र और प्रदेश में ईमानदार सरकार दी भाजपा ने : अनुराग ठाकुर

ऊना (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार की गहमागहमी तेज हो गई है। यहां के ऊना के गगरेट विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हमने केंद्र में भी ईमानदार सरकार दी, प्रदेश में भी ईमानदार सरकार दी। केंद्र में मोदी जी और प्रदेश में जयराम जी ने हर तरह की सुविधा देने का काम किया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हम आजादी के 75 साल यानी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। हमारे पीएम के विजन और लोगों के सहयोग से नए युग का भारत बनेगा। आगे बढ़ने के लिए भारत को एकजुट होना चाहिए, विभाजित नहीं होना चाहिए।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि पहले केंद्र और प्रदेश में कांग्रेस थी तो हिमाचल का विशेष राज्य का दर्जा वापस ले लिया गया। जो हिमाचल को अटल बिहारी वाजपेयी ने दिया था वो मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी ने वापस ले लिया। लेकिन मोदी जी की सरकार आई तो उन्होंने हिमाचल को वो दर्जा वापस दिया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि अंग्रेजों की मानसिकता से मुक्ति दिलाने का काम पीएम मोदी ने किया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के पांच प्रणों से पूरे देश को लाभ मिलेगा। अंग्रेज भारत में राज करने आए थे लेकिन अंग्रेज शासकों की मानसिकता से मुक्ति पाने का काम पीएम मोदी ने किया है। अब एक नए संसद भवन का निर्माण करवाने का काम नए भारत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नई सोच भारत को बहुत आगे ले जाने वाली है।

केशव मौर्य पर अखिलेश ने फिर साधा निशाना, तंज कसते हुए कहा- आप इतना जो मुस्कुरा रहे हो...

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव और केशव प्रसाद मौर्य के बीच लगातार वार-पलटवार का दौर चलता रहता है। एक बार फिर से अखिलेश यादव ने केशव प्रसाद मौर्य पर तंज कसा है। अखिलेश में केशव प्रसाद मौर्य की मुस्कुराती हुई तस्वीर को साझा करते हुए लिखा कि आप इतना जो मुस्कुरा रहे होज आपके मंत्रालय में बजट की कटौती हो गयीज आपके मंत्रालय के विभागों में पैसा नहीं पहुँचाज टेंडर न हो पायाज क्या ये सब राज़ छिपा रहे होज आप इतना क्यों मुस्कुरा रहे हो? अखिलेश का आरोप है कि ग्रामीण विकास मंत्रालय के बजट में सरकार ने कटौती की है। आपको बता दें कि केशव प्रसाद मौर्य फिलहाल उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री हैं और उन्हें ग्रामीण विकास मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है।

हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब अखिलेश की ओर से केशव प्रसाद मौर्य पर निशाना साधा गया है। कुछ दिन पहले ही अखिलेश यादव ने केशव प्रसाद मौर्य को एक बड़ा ऑफर दिया था। उन्होंने कहा था कि आप 100 विधायकों को हमारे साथ ले आइए और मुख्यमंत्री बन जाइए। इसके बाद केशव प्रसाद मौर्य की ओर से पलटवार किया गया था। केशव प्रसाद मौर्य ने साफ तौर पर कहा था कि लगातार मिल रही पराजय से वह बहकी बहकी बात करने लगे हैं। इसके साथ ही उन्होंने सपा प्रमुख को अपने विधायकों को एकजुट रखने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव जी पहले भाजपा के खिलाफ अपने 125 विधायकों को एक साथ एकत्रित कर लें। मौर्य ने दावा किया कि भाजपा 25 साल सत्ता में कार्यकर्ताओं के परिश्रम, जनता के आशीर्वाद और मोदी मॉडल पर काम से बनी रहेगी!

भाजपा पर निशाना

भाजपा पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने कहा कि 24 के चुनाव में अपने ख़िलाफ़ जनता के आक्रोश व जनहित में काम करनेवाले दलों की एकजुटता देखकर, भाजपा बौखला गयी है। इसीलिए अपने लाउडस्पीकर दलों से अनाप-शनाप बातें कहलवा रही हैज्इन लाउडस्पीकरों का माइक कहीं और है। जनता को धोखा देनेवाली भाजपा और उसके नालबद्ध दलों को जनता सबक़ सिखाएगी। इससे पहले अखिलेश ने आरोप लगाया था कि जौनपुरवासियों को महँगे इलाज व बाहर जाने से बचाने के लिए सपा ने जो मेडिकल कॉलेज यहाँ दिया था, उसकी आधी-अधूरी तैयारी से आहत होकर सपा के साहसिक कार्यकर्ता द्वारा मुख्यमंत्री जी का विरोध जायज़ है क्योंकि भाजपा सरकार ने यहाँ डॉक्टर, स्टाफ़, दवाई व मशीनें कुछ भी उपलब्ध नहीं कराया है।

वंदे भारत ट्रेन ने पकड़ी 52 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, बुलेट ट्रेन को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली । तीसरी और नई वंदे भारत एक्सप्रेस ने ट्रायल रन के दौरान केवल 52 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की गति तक की रफ्तार पकड़कर बुलेट ट्रेनों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि फोटोकैटलिटिक एयर प्यूरीफायर सिस्टम नई वंदे भारत ट्रेन को कोरोना सहित हवा से फैलने वाली तमाम बीमारियों से मुक्त रखेगा। बता दें कि भारत की यह सेमी-हाई स्पीड ट्रेन अगले कुछ हफ्तों में अहमदाबाद-मुंबई रूट पर चलने के लिए तैयार है। ट्रायल रन के परिणामों की घोषणा कर रेल मंत्री वैष्णव ने कहा, वंदे भारत ट्रेन का तीसरा परीक्षण गुरुवार को पूरा हो गया। परीक्षण में वंदे भारत ट्रेन ने 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार 52 सेकेंड में पूरी कर ली, जबकि बुलेट ट्रेन रफ्तार को हासिल करने में 54.6 सेकेंड का समय लेती है। इस नई ट्रेन की अधिकतम गति 180 किमी प्रति घंटा है। पुरानी वंदे भारत ट्रेन की अधिकतम गति 160 किमी प्रति घंटे है।%%उन्होंने कहा, आरामदायक यात्रा के लिए इस ट्रेन में कई विशेषताएं हैं। गुणवत्ता और सवारी सूचकांक में सुधार हुआ है। इन मापदंडों पर ट्रेन का स्कोर 3.2 है, जबकि विश्व स्तर पर सर्वश्रेष्ठ स्कोर 2. 9 है। फोटोकैटलिटिक एयर प्यूरीफायर सिस्टम नई वंदे भारत ट्रेन को कोरोना सहित हवा से फैलने वाली तमाम बीमारियों से मुक्त रखेगा।

अयोध्या में राम मंदिर का दिया सबूत रामायण से जुड़ी साइट्स की कराई खुदाई

अयोध्या (एजेंसी)।

भारत के शीर्ष पुरातत्वविदों में शामिल प्रोफेसर बीबी लाल (ब्रज बासी लाल) का निधन हो गया है। वह 101 साल के थे। उन्होंने दिल्ली स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। अपने लंबे जीवनकाल में बीबी लाल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक भी रहे। उन्होंने पुरातत्वविदों की चार पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया। उनके निधन पर पुरातत्वविदों के साथ ही इतिहासकारों ने भी शोक जताया है। अयोध्या की बाबरी मस्जिद के विवादित ढांचे की नींव में मंदिर मौजूद होने की खोज को लेकर बीबी लाल सबसे ज्यादा चर्चा में आए। अपनी इस खोज से वह इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए दर्ज हो गए। बीबी लाल के शिष्य प्रो. अशोक सिंह ने बताया, बीएचयू के पुराविद प्रोफेसर एके नारायण ने 60 के दशक में पहली बार अयोध्या में पुरातात्विक उत्खनन का काम शुरू कराया। यह प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ सका, तो उन्होंने खुदाई का काम अपने हाथ में ले लिया। यहां से प्राचीन वस्तुएं मिलने पर उन्होंने बीएचयू को इसकी जानकारी दी। इसी पुरातात्विक साक्ष्य के आधार पर कोर्ट में यह साबित हुआ कि अयोध्या में मंदिर था। बीबी लाल का जन्म साल 1921 में उत्तर प्रदेश के झांसी में हुआ था। उन्होंने हस्तिनापुर (उत्तर प्रदेश), शिशुपालगढ़ (उड़ीसा), पुराण किला (दिल्ली), कालीबंगन (राजस्थान) सहित कई अहम ऐतिहासिक स्थलों की खुदाई की और इतिहास की बहुत सारी छिपी परतें दुनिया के सामने खोल दीं। उन्हें साल 2000 में पद्म भूषण से सम्मान किया गया।

समाजवादी पार्टी के पोस्टर पर भाजपा का पलटवार,

ब्रजेश पाठक बोले- 'मुंगेरीलाल के हसीन सपने' बहुत लोग देखते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

2024 चुनाव को लेकर अब सियासी घमासान दिखाई देने लगी है। विपक्ष अपनी एकजुटता को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इसी कड़ी में आज समाजवादी पार्टी के बाहर आज एक पोस्टर लगा था। इस पोस्टर में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की तस्वीर लगी थी। इसके बाद लिखा गया था यूपी प्लस बिहार, गई मोदी सरकार। अब इसी को लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पलटवार में साफ तौर पर कहा है कि सभी को सपने देखने का अधिकार है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि %मुंगेरीलाल के हसीन सपने% बहुत लोग देखते हैं, भारतीय जनता पार्टी पीएम मोदी जी के नेतृत्व में पीएम गरीब कल्याण योजनाओं को जन-जन तक पहुंचा रही है। यूपी में कानून का राज और मजबूत हुआ है।

अपने बयान में ब्रजेश पाठक ने साफ तौर पर दावा किया कि 2024 चुनाव में भाजपा उत्तर प्रदेश की 80 के 80 सीट जीतेगी। वहीं, सपा के पोस्टर पर निशाना साधते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सत्ता के लिए बेचैन अखिलेश यादव की पार्टी सपा का लोकसभा चुनाव 2024 में खाता भी नहीं खुलेगा, यूपी और देश में मोदी लहर पहले से तेज! आपको बता दें कि हाल में ही नीतीश कुमार दिल्ली दौरे पर पहुंचे थे जहां उनकी मुलाकात अखिलेश यादव से हुई थी। दोनों नेताओं के बीच बैठक हुई और माना जा रहा कि 2024 चुनाव को लेकर रणनीति भी बनी है। बिहार में पाला बदलने के बाद नीतीश कुमार लगातार विपक्ष की एकजुटता के बाद कर रहे हैं। उनका दावा है कि अगर विपक्ष एकजुट होता है तो 2024 के लिए सही रहेगा।

उत्तर प्रदेश में फिलहाल लोकसभा की 80 सीटें हैं। भाजपा ने 2019 के चुनाव में 62 सीटों पर जीत हासिल की थी। 2014 की तुलना में उसे 9 सीटों का नुकसान हुआ था। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी उत्तर प्रदेश में भाजपा ने जबरदस्त जीत हासिल की थी। हालांकि, 2017 की तुलना में उसकी सी पर कम हुई थी। उत्तर प्रदेश पर फिलहाल सभी पार्टियों की नजर है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की पार्टी समाजवादी पार्टी दूसरे नंबर पर है। वहीं मायावती भी अखिलेश यादव पर निशाना साध रही है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि सपा उत्तर प्रदेश में अपना जनाधार खोती जा रही है, जिसके लिए उसका अपना कृत्य ही मुख्य कारण है। परिवार, पार्टी एवं इनके गठबंधन में आपसी झगड़े, खींचतान तथा आपराधिक तत्वों से इनकी खुली सांठगांठ आदि की खबरें मीडिया में आमचर्चा में है तो फिर लोगों में निराशा क्यों न हो?

घटनाओं से नहीं लिया सबक, लखनऊ में 927 लोगों ने घरों में खूंखार कुत्ते पाल रखे

इसमें पिटबुल और राटविलर जैसी खतरनाक प्रजाति के कुत्ते शामिल

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में लाइसेंस लेकर करीब 927 लोगों ने घरों में खूंखार कुत्ते पाल रखे हैं। इसमें 25 लोगों के घरों में खतरनाक पिटबुल और 178 घरों में राटविलर भी पल रहे हैं। साइबेरियन, हुसकी, डाबरमैन, पिन्सचर और बाक्सर ब्रीड के 724 खतरनाक कुत्ते पाले गए हैं। लखनऊ में कितने भी खतरनाक कुत्ते पालिए, कोई रोकने वाला नहीं है। कुत्ते पालने का कोई ठोस नियम-कानून नहीं होने से शौकीन लोग कुत्तों की एक से एक खूंखार नस्लें पाल रहे हैं। भले ही इनसे खुद उनकी ही जान जोखिम में पड़ जा रही है। अब नगर निगम कुत?तों को लेकर नए सिरे से नियमावली बना रहा है।

लखनऊ ही नहीं, प्रदेश भर में कुत्ते पालने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। चाहे जिस नस्ल के कुत्ते पालिए, बस लाइसेंस होना चाहिए। पिटबुल, राडविलर सहित कई खतरनाक प्रजाति के कुत्ते लोगों को नोच रहे हैं, इसके बावजूद ठोस नियम नहीं बना है। आठ सिंतबर को गाजियाबाद में पिटबुल ने बच्चे को जिस तरह नोचा, उससे एक बार फिर लोगों में खतरनाक कुत्तों को लेकर दहशत पैदा हो गई है।

लखनऊ में कुत्ते पालने वाले शौकीनों को अपनी और पड़ोसियों की कोई चिंता नहीं है, इसकारण लोगों ने खुद घरों में इसतरह के कुत्ते रखे हैं। जुलाई में कैसरबाग में एक पिटबुल ने अपनी ही मालकिन को नोच नोच कर मार डाला था। इस घटना के बाद नगर निगम और शासन में इसके लिए विचार विमर्श शुरू हुआ था, लेकिन आज तक कोई मजबूत प्रयास नहीं हुआ है।

अंटाकर्टिका, स्विटजरलैण्ड, जर्मनी जैसे ठंडे देशों में रहने वाले कुत्तों को गर्म या आर्द्र इलाकों में पाला जाता है, तब व्यवहार में खासा फर्क आता है। अलास्का मलम्यूट, सेंट बर्नार्ड, साइबेरियन हस्की ठण्डी जलवायु वाले होते हैं। गर्म क्षेत्रों में आक्रामक हो जाते हैं। पशु चिकित्सक ने बताया कि विपरीत परिस्थितियों में जब भी किसी को रखा जाएगा, उसके व्यवहार में परिवर्तन जरूर आएगा। ठण्डे इलाके के कुत्तों को गर्म में रखा जाएगा, तब हार्मान में बदलाव आएगा। वे धीरे-धीरे खूंखार होने लगाते हैं। नए सिरे से नियमावली बन रही है। दो कुत्ते से ज्यादा लोग नहीं पाल सकते। लाइसेंस फीस भी 1000 रुपये होगी। कुछ नई शर्तें बनाई जा रही हैं।

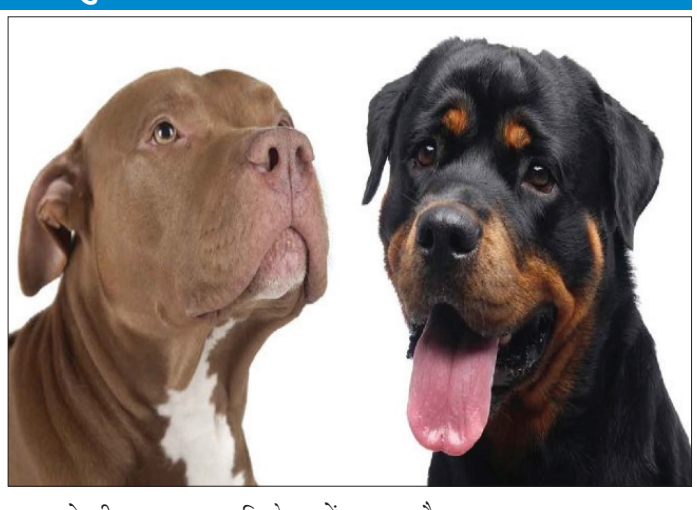

शासन ने भी खतरनाक प्रजाति के कुत्तों को पालने पर रोक लगाने का प्रस्ताव बनाया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में आप की दिल्ली मॉडल से चुनौती देने की कोशिश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, गुजरात में आम आदमी पार्टी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सरकार का मॉडल के जरिए भाजपा को घेरने की कोशिश कर रही है। भाजपा के मुकाबले राज्य में कमजोर राजनीतिक ताकत होने के बाद भी दृष्टिकोण की लड़ाई में केजरीवाल भाजपा को चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि भाजपा ने हर स्तर पर अपनी चाक-चौबंद रणनीति से एक बार फिर गुजरात फतह की तैयारी करनी शुरू कर दी है। दिल्ली में कथित शराब घोटाला भी गुजरात में चर्चा में है और यह आम आदमी पार्टी के मंसूबों पर भारी पड़ सकता है। इस साल के आखिर में दो राज्यों गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन दोनों राज्यों में भाजपा सत्ता में है। दोनों में अभी तक की राजनीति में भाजपा और कांग्रेस में ही मुकाबला होता आया है। हिमाचल प्रदेश में तो कमोबेश यही स्थिति है, लेकिन गुजरात में आम आदमी पार्टी ने घुसपैठ कर राजनीतिक लड़ाई को बदलने की कोशिश की है। पंजाब में सरकार बनाने के बाद आम आदमी पार्टी अब गुजरात पर अपना जोर लगा रही है, ताकि भविष्य में केंद्रीय राजनीति में अपनी भूमिका को मजबूत कर सके। आम आदमी पार्टी गुजरात में के भाजपा के साथ मुख्य मुकाबले में आने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सरकार के मॉडल को जोर-शोर से प्रचारित कर रही है। गौरतलब है कि गुजरात में के मुख्यमंत्री रहते नरेंद्र मोदी ने भी गुजरात के विकास मॉडल को देशभर में प्रचारित किया था और इसका भाजपा को बड़ा लाभ भी मिला। अब केजरीवाल उसी रास्ते पर चलकर भाजपा से मुकाबला करने की तैयारी में है। राज्य में आम आदमी पार्टी दृष्टिकोण की लड़ाई बनाने की कोशिश कर रही है। हालांकि दिल्ली का कथित शराब घोटाला आम आदमी पार्टी के मंसूबों पर पानी फेर सकता है।

भाजपा इस मुद्दे पर दिल्ली में लगातार मुहिम छेड़े हुए हैं। वह गुजरात के लोगों को यह बताने की कोशिश कर रही है कि अगर आम आदमी पार्टी आई तो शराब को लेकर नीति बदल सकती है।

गुजरात शराब प्रतिबंधित राज्य है। इस बीच भाजपा ने अपनी जमीनी तैयारी को मजबूत करते हुए दूसरे राज्यों के चुनावी प्रबंधन से जुड़े प्रमुख नेताओं को राज्य में लाना शुरू कर दिया है। पहले भी भाजपा गुजरात में दूसरे प्रत्याशियों के प्रमुख नेताओं को लाती रही है। इनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, झारखंड के नेता बूथ से लेकर विधानसभा स्तर तक विभिन्न प्रबंधकीय जिम्मेदारियों से जुड़ेंगे। इस बीच भाजपा ने पन्ना प्रमुखों के जरिए और बूथ एवं मंडल स्तर पर एक-एक मतदाता तक पहुंचना शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि गुजरात में बीते विधानसभा चुनाव में राज्य की 182 सीटों में भाजपा को 99 व कांग्रेस को 77 सीटें मिली थी। अन्य के हिस्से में छह सीटें आई थी। जबकि आम आदमी पार्टी को बीते चुनाव में मात्र 0.1 फीसद वोट ही मिले थे।

बाद में 2021 के निकाय चुनाव में सूरत नगर निगम में 121 में से 27 सीटें जीत कर आप ने कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया था। गांधीनगर में भी उसने एक सीट जीती थी। इसके बाद आप ने यहां पर अपना जोर बढ़ाना शुरूकिया है।

अनुपन रसायन इंडिया लिमिटेड लगी आग, बोईलर में ब्लास्ट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत सचिन जी.आई.डी.सी. में अनुपन रसायन इंडीया ली. यूनिट न.06 में आग की घटना बनी जिसमें आग लगने का मुख्य कारण बोईलर में ब्लास्ट होने से इस प्रकार की घटना बनी है

घटना की जानकरी मिलते ही घटना स्थल पर अग्निशमक दल की टीम पहुची,आग बड़ी होने के कारण बिगेड कोल बताते ही आसपास के अन्य फायर स्टेशन की तमाम गाड़ी घटना स्थल पर रवाना कर दिया गया.

घटना की अभी तक कोई भी अधिकारी जानकारी नही दिया गया है.

कुछ आग में घायलावस्था में सिविल और निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहाँ पर उनका ईलाज चल रहा है

बिफरे सांड ने डंडा दिखाने वाले बुजुर्ग को पटककर मार डाला

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट,गुजरात में आवारा पशुओं का आंतक बढ़ता जा रहा है। विगत दिवस राजकोट के गोंडल में एक सांड ने बुजुर्ग की जान ले ली। बुजुर्ग ने सांड को सोसाइटी से बाहर निकालने

के लिए डंडा दिखाया। इससे सांड बिफर गया। सांड ने 92 वर्ष के गोपाला भाई को सींग से उछाल कर पटक दिया। जिससे उनकी मौत हो गई। यह सारा वाकया सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ। मात्र 7 सेकंड में बुजुर्ग की जान सांड को डंडा दिखाने के कारण चली गई।

गणेश विसर्जन या फिर भक्तों की आस्थाओं का ही विसर्जन?

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुरत, सुरत मनपा द्वारा गणेशोत्सव में गणेश विसर्जन के लिए सूरत शहर में 19 कृत्रिम तलाब बनाया गए. जिसमें वोर्ड न.30 सुडा सेक्टर ३ भी लाखों के खर्च पर कृत्रिम तलाब बनाया गया था जिसमें मूर्ति का विसर्जन तो किया नही गया लेकिन मूर्ति के ऊपर

बाल्टी से पानी का छिड़काव करने के लिए सूरत मनपा ने आदमी रखा था. जिसका वीडियो सोशल मिडिया में वायरल होने के बाद गणेश भक्तों की आस्था का ही विसर्जन कर दिया.

लोगों के मन में यह सवाल खड़ें कर दिया की अगर इस तरह से ही विसर्जन करना था तो सूरत मनपा कृत्रिम तलाब के नाम पर लाखों रूपया खर्च कर क्या भष्टाचार तो नही कर रही है, क्यों बनाया गए थे इस तरह के कृत्रिम तलाब क्या जवाबदारो के सामने कोई भी क़ानूनी कार्यवाही किया जायेगा की नही?